



उद्योगों के लिए
नियामक नहीं..

02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता



नए डायरेक्टर के साथ
काम...

11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 187

गाजियाबाद / शुक्रवार 09 अक्टूबर 2026

PRGI No. - UPHIN/25/A0086

पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त

समाचार

बेंगलुरु में सीजेपी का प्रदर्शन

- दीपके ने वोट चोर के नारे लगाए; कहा- वन नेशन, वन पार्टी भाजपा का मकसद

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में गुरुवार को काँग्रेस जनता पार्टी का प्रदर्शन हुआ। सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके, यूट्यूबर ध्रुव राठी और एक्टर प्रकाश राज एसआईआर रद्द करने और सीईसी ज्ञानेश



कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन में शामिल हुए।

दीपके ने प्रदर्शनकारियों से 'नरेंद्र मोदी वोट चोर' और 'एसआईआर रद्द करो' के नारे लगावाकर अपने भाषण की शुरुआत की। उन्होंने कहा- पीएम मोदी ने वोट चोरी करके चुनाव जीता। जिंदा लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। यह लोकतंत्र की हत्या है। भाजपा 'वन नेशन, वन इलेक्शन' का नारा देती है, जबकि उनका मकसद 'वन नेशन, वन पार्टी' बनाने का है।

वाराणसी में शिंजो आबे मेमोरियल कारिडोर का उद्घाटन

भारत-जापान मित्रता को मिलेगा सम्मान : पीएम मोदी

वाराणसी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को जापान के दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की पत्नी अकी आबे से मुलाकात की जानकारी सोशल मीडिया पर साझा की। उन्होंने कहा कि उनसे मिलकर उन्हें खुशी हुई। भारत के साथ उनके लंबे समय से चले आ रहे जुड़ाव की वह बहुत कद्र करते हैं।



मोदी ने शिंजो आबे को भारत का करीबी मित्र और दूरदर्शी नेता बताते हुए कहा कि उन्होंने भारत-जापान संबंधों को नई ऊँचाइयों तक ले जाने में अहम भूमिका निभाई थी। उनके अनुसार, वाराणसी के रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में कल 'आबे मेमोरियल कारिडोर' का उद्घाटन भारत-जापान मित्रता में आबे के अमूल्य योगदान के प्रति उचित सम्मान होगा। प्रधानमंत्री ने अकी आबे के साथ अपनी मुलाकात और कारिडोर के उद्घाटन को भारत-जापान संबंधों के संदर्भ में महत्वपूर्ण बताया। उनके संदेश में शिंजो आबे के योगदान और दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे जुड़ाव के प्रति सराहना व्यक्त की गई।

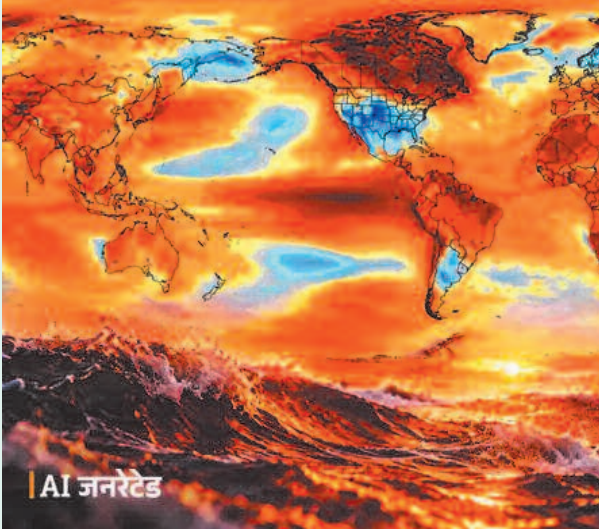
76 साल में सबसे ज्यादा गर्म हुआ प्रशांत महासागर

सुपर अल नीनो से धरती पूरी लाल, 4.5 लाख मौतों की वजह बन सकता है

नईदिल्ली (एजेंसी)। दुनिया इस समय बेहद ताकतवर अल नीनो का सामना कर रही है। प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी हिस्से में समुद्र का तापमान सामान्य से 3.4 डिग्री ज्यादा पहुंच गया है। यह 1950 के बाद का सबसे मजबूत अल नीनो बताया जा रहा है। मौसम विशेषज्ञ इसे 'सुपर-डुपर अल नीनो' कह रहे हैं।

इससे दुनिया के कई हिस्सों में ज्यादा गर्मी, सूखा या भारी बारिश हो सकती है। शिकागो यूनिवर्सिटी के क्लाइमेट इम्पैक्ट लैब के शोधकर्ताओं के मुताबिक, इस अल नीनो से जून 2026 से फरवरी 2027 के बीच दुनियाभर में करीब 4.51 लाख अतिरिक्त मौतें हो सकती हैं।

ज्यादा गर्मी से हीट स्ट्रोक और दूसरी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। वहीं बारिश का पैटर्न बिगड़ने से कहीं पानी की कमी तो कहीं बाढ़ जैसी स्थिति बन सकती है।



नवशे में धरती का ज्यादातर हिस्सा लाल दिखा- मौसम विज्ञानी रयान माउ ने पूरी दुनिया का एक जलवायु नक्शा सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इसमें धरती का बड़ा हिस्सा लाल रंग में दिखाई दे रहा है, जो सामान्य से ज्यादा गर्म परिस्थितियों को दिखाता है। माउ के मुताबिक, अल नीनो सर्दियों में भी 'अधिकतम ताकत' के साथ बना रह सकता है। उन्होंने इसके फरवरी 2027 तक जारी रहने के डब्ल्यूएमओ के अनुमान से भी सहमति जताई है।

डब्ल्यूएमओ ने जलवायु परिवर्तन को लेकर चेतावनी

संयुक्त राष्ट्र की मौसम एजेंसी विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) के मुताबिक, 2026 के आखिरी महीनों में दुनिया के बड़े हिस्से में समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से ऊपर रहने की बहुत ज्यादा संभावना है। जलवायु वैज्ञानिक जीक हाउसफादर ने कहा कि इस साल का अल नीनो ऐसे स्तर की ओर बढ़ रहा है, जो पहले दर्ज नहीं किया गया। वहीं मौसम विशेषज्ञ लियोन सिमंस ने इसे 'सुपर-डुपर अल नीनो' कहा है।

अल नीनो क्या है

अल नीनो-दक्षिणी दोलन (ईएनएसओ) दुनिया के मौसम को प्रभावित करने वाला प्राकृतिक जलवायु चक्र है। अल नीनो इसका गर्म चरण है। इसमें प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी हिस्से का समुद्री पानी सामान्य से ज्यादा गर्म हो जाता है। इस बदलाव का असर प्रशांत क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में तापमान और बारिश का पैटर्न बदल सकता है। कहीं सूखे की स्थिति बन सकती है तो कहीं सामान्य से ज्यादा बारिश हो सकती है। अल नीनो आमतौर पर 2 से 7 साल के अंतराल पर आता है।

मोबाइल कांग्रेस में पीएम मोदी बोले-

मोबाइल गुड गवर्नेंस का बड़ा औजार बना

बैंक, अस्पताल अब फोन में, इससे 5 लाख करोड़ गलत हथों में जाने से बचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिया मोबाइल कांग्रेस के दूसरे दिन पीएम मोदी ने कहा कि आज सरकार की बैंक, अस्पताल, सरकारी दफ्तर जैसी सैकड़ों सर्विसेज मोबाइल पर हैं।

वहीं उन्होंने बताया कि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर से अब तक करीब 50 लाख करोड़ रुपए सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजे जा चुके हैं। इस सिस्टम की वजह से बिचौलियों और फर्जीवाड़े पर रोक लगी और लगभग 5 लाख करोड़ रुपए गलत हथों में जाने से बच गए। इंडिया मोबाइल कांग्रेस का एआई और 6 प्रतिशत पर फोकस रहेगा। 2017 में हुआ पहला इवेंट सिर्फ भारत पर फोकस था, अब 100 से ज्यादा देश शामिल हुए हैं।



अब सिर्फ बातचीत का साधन नहीं रहा मोबाइल

पीएम मोदी ने कहा कि आज मोबाइल फोन केवल गपशप या चैट करने का जरिया नहीं रह गया है, बल्कि यह आम लोगों तक सरकारी सुविधाएं पहुंचाने का सबसे बड़ा माध्यम बन चुका है। भाषा या दूरी की रुकावटें खत्म हो गई हैं। अब लोगों को दफ्तरों के चक्कर काटने और लंबी लाइनों में खड़े होने की जरूरत नहीं पड़ती, जिससे उनका समय और पैसा दोनों बच रहा है।

4 दिन पहले कहा था- नहीं जानता, कल रहूं या नहीं; गोवा में कार्डियक अरेस्ट से निधन

पुणे में होगा नाना पाटेकर का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

नईदिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का गुरुवार सुबह 75 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्हें गोवा स्थित घर में कार्डियक अरेस्ट हुआ था। उन्हें करीब 45 मिनट तक सीपीआई दी गई, लेकिन बचाया नहीं जा सका। अंतिम संस्कार पुणे के फॉर्महाउस में होगा।

मणिपाल हॉस्पिटल के डॉ. शेखर सालकर के मुताबिक नाना पाटेकर का सुबह 5:20 बजे निधन हुआ। घटना के

वक्त नाना के साथ घर पर परिवार का कोई सदस्य नहीं था। उनके दोस्त और केयरटेकर मौजूद थे। अब शव का पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। नाना पाटेकर की सामाजिक संस्था नाम फाउंडेशन के सीईओ गणेश शेट्या ने बताया कि एक्टर का पार्थिव शरीर शाम 5 बजे तक फॉर्महाउस पहुंच सकता है। यहां अंतिम दर्शन की भी व्यवस्था की जाएगी।

नाना पाटेकर का 4 दिन पुराना आखिरी वीडियो सामने आया है। इसमें नाना पाटेकर ड्रम बजाते, डांस करते और मस्ती करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कहा था, 'हम सभी को एक दिन जाना है। पता नहीं मैं कल यहां रहूंगा या नहीं।'



- 'परिदा' में विलेन बने, 3 नेशनल अवॉर्ड- नाना पाटेकर ने 100 से ज्यादा फिल्मों की। 1989 की फिल्म 'परिदा' में नाना ने अन्ना का किरदार निभाया, जिसके लिए उन्हें बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला। 1994 की 'कातिवीर' के लिए उन्हें बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला। 1996 की 'अग्निप्राक्षी' के लिए भी उन्हें बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला। इस तरह उन्हें करियर में 3 नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिले। भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए नाना पाटेकर को 2013 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया।

विपक्ष का राजघाट पर मार्च, महात्मा गांधी को दी श्रद्धांजलि

राहुल गांधी बोले- 300 सांसद शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना चाहते हैं



नईदिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में पिछले दो दिन से सियासत का एक ही पैटर्न दिख रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गो विपक्षी सांसदों को लंच पर बुलाते हैं, सांसद खाना खाते हैं, फिर बसों में बैठकर निकल जाते हैं। राजघाट पहुंचकर महात्मागांधी को श्रद्धांजलि दी। फर्क इतना है कि बुधवार को मंजिल जंतर-मंतर थी और गुरुवार को राजघाट। कल धरना देने की कोशिश करते राहुल-प्रियंका को पुलिस ने उठाया था।

राहुल के साथ सपा और टीएमसी समेत विपक्षी दलों के सांसद हैं। रवाना होने से पहले खड़गो ने कहा कि राजघाट जाकर बापू से सरकार को सबबुद्धि देने की प्रार्थना करेंगे। राहुल ने दावा किया कि उनके साथ 300 से ज्यादा सांसद हैं।

दिल्ली में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि राज्यसभा और

लोकसभा के करीब 300 सांसद शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें लगातार दो दिनों से प्रदर्शन करने से



रोका जा रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि पहले दिन सांसदों को निर्वाचन आयोग के बाहर रोक दिया गया। इसके बाद उन्होंने

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने की इच्छा जताई, लेकिन वहां भी उन्हें रोक दिया गया। राहुल ने आरोप लगाया कि इस दौरान उनके

खरगे बोले- हमारा राजघाट पर शांतिपूर्ण धरना है

राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि इंडिया गठबंधन के नेता गांधी स्मारक जा रहे हैं, जहां वे शांतिपूर्ण तरीके से धरना देकर वहां प्रार्थना की जाएगी कि भाजपा सरकार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केेंदीय गृह मंत्री अमित शाह को यह समझने की सद्बुद्धि मिले कि उनके फैसले देशहित में नहीं हैं। खरगे ने कहा कि 'वोट चोरी', बढ़ती महंगाई, युवाओं की समस्याओं और अन्य मुद्दों को लेकर विपक्ष सरकार के खिलाफ आवाज उठा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनता के हितों के खिलाफ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि देश को आजादी महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे नेताओं के संघर्ष से मिली थी।

लखनऊ के मॉल में पानी घुसा, फर्रुखाबाद में ओले गिरे

- यूपी के 42 जिलों में बारिश का अलर्ट, छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में बिजली गिरने से 3 मौतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड, हिमाचल, मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ और झारखंड के आसपास बने ऊपरी हवा के साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण कई क्षेत्रों में बनी ट्रफ के कारण मौसम एक बार फिर बदल गया है।

मौसम विभाग के मुताबिक, पश्चिमी विश्वोष्ण के चलते ही छत्तीसगढ़ के 29 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। यहां 60किमी की रफ्तार



से हवाएं चलेंगी। बिजली गिरने से बिलासपुर में 3 लोगों की मौत हो गई।

यूपी में बाढ़ के बीच फिर से मौसम बिगड़ गया है। लखनऊ, बाराबंकी, सीतापुर और सुल्तानपुर समेत 5 शहरों में सुबह से रुक-रुक कर बारिश हो रही है। फर्रुखाबाद में ओले गिरे हैं।इधर, गोमती नदी का पानी 10वें दिन भी बढ़ रहा है। प्लासियो मॉल के चारों ओर पानी भर गया है। राज्य में आज 42 जिलों में बारिश का अलर्ट है। उत्तराखंड के चमोली में भारी बर्फबारी से हेमकुंड साहिब धाम बर्फ की सफेद चादर से ढक गया है।राजस्थान समेत उत्तर के 8 राज्यों में 12 अक्टूबर के बाद से रात में ठंडक बढ़ने लगेगी।



यूपी में नकली और पुराने नोटों के नेटवर्क का भंडाफोड़, 1.43 करोड़ के बंद नोट बरामद, नेटवर्क तलाश रही पुलिस

हापुड़ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में जाली करेंसी और पुराने, बंद हो चुके नोटों के बड़े पैमाने पर नेटवर्क का खुलासा हुआ है। हाल ही में जहां एक ओर बैंकों में 17 करोड़ से अधिक के नकली नोटों की जांच चल रही है, वहीं अब हापुड़ में 1.43 करोड़ रुपये मूल्य के पुराने, बंद हो चुके नोट बरामद किए गए हैं। हापुड़ देहात पुलिस ने यह बड़ी सफलता ततारपुर चौकी क्षेत्र में स्थित एक पेट्रोल पंप के पास हासिल की, जब चेकिंग अभियान के दौरान एक संदिग्ध बाइक सवार को रोका गया। पुलिस के रोकने पर युवक ने भागने का प्रयास किया, लेकिन घेराबंदी कर उसे घर दबोचा गया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से भारी मात्रा में बंद हो चुके पुराने नोटों के बंडल बरामद हुए, जिनकी कूल धनराशि करीब 1.43 करोड़ रुपये आंकी गई है।

हिंदी कवर वाली दवाओं के वितरण पर रोक

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के कोयंबटूर और करूर के सरकारी अस्पतालों में दवाएं रखने वाले तीन भाषाओं में छपे कवर का वितरण रोक दिया गया है। इन पर दवा की खुराक संबंधी जानकारी तमिल, अंग्रेजी और हिंदी में छपी थी। द्रमुक नेता टीआरवी राजा ने आरोप लगाया कि राज्य के सरकारी अस्पतालों में भी तीन भाषा नीति लागू की जा रही है। वहीं, अधिकारियों ने कहा कि इनका इस्तेमाल 18 महीने से हो रहा है। पिछली सरकार के कार्यकाल में भी इनका उपयोग हुआ था। राज्य में हिंदी विरोध का इतिहास आजादी से पहले का है। 1937 में स्कूलों में हिंदी को अनिवार्य किए जाने के खिलाफ पैरियार के नेतृत्व में आंदोलन हुआ था। 1965 में विरोध-प्रदर्शन में 60 से अधिक की मौत हुई। इसके बाद तमिलनाडु ने तमिल और अंग्रेजी की दो-भाषा नीति अपनाई और केंद्र की तीन-भाषा नीति का लगातार विरोध करता रहा।

कनॉट प्लेस में कश्मीरी युवक से मारपीट, भाजपा ने कांग्रेस पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष के प्रदर्शन के बीच दिल्ली के कनॉट प्लेस में एक युवक के साथ कथित मारपीट का मामला सामने आया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समर्थक होने का दावा करने वाले कश्मीरी युवक ने आरोप लगाया कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उसके साथ मारपीट की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आरोप था कि युवक लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ अपशब्द कह रहा था। मारपीट का शिकार हुए युवक ने कहा कि उसने केवल यह सवाल उठाया था कि जब विपक्ष चुनाव जीतता है तो उसे ईवीएम से परेशानी क्यों नहीं होती। उसने ईवीएम के इस्तेमाल को लेकर भी सवाल उठाया और कहा कि वह कश्मीर का रहने वाला है तथा उसने राहुल गांधी को गाली नहीं दी। युवक ने कहा कि वह देश का नागरिक है और भारत को दूसरा नेपाल नहीं बनने देगा। इस मामले को लेकर भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधा। भाजपा प्रवक्ता सिद्धार्थ यादव ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी जिस राजनीतिक मॉडल को देशभर में आगे बढ़ाना चाहते हैं, उसकी तस्वीर कनॉट प्लेस की घटना से सामने आ गई है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एक कश्मीरी मुस्लिम युवक को बुरी तरह पीटा। यादव ने सवाल उठाया कि यदि राजधानी में राजनीतिक विरोध के दौरान मारपीट होती है तो क्या इसे लोकतंत्र कहा जा सकता है। उन्होंने कांग्रेस पर संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की बात करने के बावजूद उनके विपरीत आचरण करने का आरोप लगाया। घटना ऐसे समय हुई जब कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के नेता कनॉट प्लेस में लंब मीटिंग के लिए जुट रहे थे।

नोएडा बस गैंगरेप मामले में चालक और खलासी पर आरोप तय

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक विशेष पॉक्सो अदालत ने नोएडा बस गैंगरेप मामले में आरोपी बस चालक और खलासी के खिलाफ अपहरण, बंधक बनाने और सामूहिक दुर्कर्म समेत गंभीर धाराओं में आरोप तय कर दिए हैं। विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) सोनम गुप्ता ने दिल्ली पुलिस की ओर से करीब 400 पन्नों का आरोपपत्र दाखिल किए जाने के एक सप्ताह बाद यह आदेश दिया। अदालत ने आरोपियों की उस दलील को खारिज कर दिया, जिसमें पुलिस पर मीडिया दबाव में सबूत गढ़ने का आरोप लगाया गया था। अदालत ने कहा कि साक्ष्यों की विस्तृत जांच सुनवाई के दौरान की जाएगी। आरोपीहर कुलदीप और संदीप पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत अपहरण, गलत तरीके से बंधक बनाने, विवाह या यौन संबंध के उद्देश्य से अपहरण और सामूहिक दुर्कर्म के आरोप लगाए गए हैं। दोनों पर पॉक्सो अधिनियम की धारा 6 के तहत गंभीर यौन अपराध का आरोप भी है। विशेष लोक अभियोजन निम्नी सिम्रोदिया ने सुनवाई के दौरान कहा कि पीड़िता और अन्य यात्राहों के बयान प्रथम दृष्टया अभियोजन के मामले का समर्थन करते हैं। अभियोजन के अनुसार, 11वीं कक्षा में पढ़ने वाली 16 वर्षीय छात्रा चार अगस्त की रात मैमपुरी से नोएडा अपने रिश्तेदार से मिलने जा रही थी। भारी बारिश के दौरान वह गलत जगह उतर गई और उसने एक स्लीपर बस को रुकने का इशारा किया। खलासी ने कथित तौर पर उसे बताया कि बस नोएडा सेक्टर-63 जा रही है। पुलिस के अनुसार बस ग्रेटर नोएडा की एक वर्कशॉप से मरम्मत के बाद लौट रही थी और उस समय खाली थी।

उद्योगों के लिए नियामक नहीं, सहयोगी और सहभागी की भूमिका निभा रही सरकार : मुख्यमंत्री

हरिद्वार (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को हरिद्वार में

आयोजित सातवें सीआईआई उत्तराखंड औद्योगिक सम्मेलन एवं प्रदर्शनी-2026 में कहा कि राज्य सरकार उद्योगों के लिए नियामक के बजाय सहयोगी और सहभागी की भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि उद्योग, व्यापार और निवेश राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा करते हैं। सरकार उत्तराखंड में उद्योगों के लिए सुरक्षित, पारदर्शी और सरल व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की उद्योग अनुकूल नीतियों के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। प्रदेश में पिछले कुछ वर्षों में 29 हजार से अधिक नई सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम इकाइयां स्थापित हुई हैं, जिनसे करीब 1.27 लाख युवाओं को रोजगार मिला है। निवेशकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए निवेश मित्र व्यवस्था लागू की गई है। एकल खिड़की व्यवस्था के तहत 26 प्रमुख विभागों की 206 से अधिक सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही



हैं। उन्होंने कहा कि सड़क, रेल और हवाई संपर्क बेहतर होने से औद्योगिक गतिविधियों को गति मिली है। ऋषिकेश-कण्ठप्रयाग रेल परियोजना और चारधाम सड़क परियोजना से परिवहन तथा माल ढुलाई की सुविधाओं

में सुधार हो रहा है। युवाओं को रोजगार मांगने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनाने के उद्देश्य से स्टार्टअप और नवाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके लिए 200 करोड़ रुपये के उद्यम पूंजी कोष की

ओडिशा में बंद से जनजीवन हुआ प्रभावित, नर्सों और आम लोगों को हुई परेशानी

-लोगों ने कहा- सरकार के खिलाफ करें प्रदर्शन लेकिन जनता को न हो परेशानी

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा में कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन की ओर से बुलाए गए बंद के दौरान कई इलाकों में जनजीवन प्रभावित हुआ। प्रदर्शन और रास्ते बाधित होने के कारण नर्सों, अस्पताल कर्मचारियों और आम लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में परेशानी का सामना करना पड़ा। इस दौरान कुछ नाराज लोगों का कहना था कि सरकार और जिम्मेदार नेतृत्व के खिलाफ प्रदर्शन जरूर होना चाहिए, लेकिन आमजन को परेशानी न हो इसका भी ध्यान रखा जाना चाहिए। आंदोलन से प्रभावित लोगों का कहना है कि सरकार के फैसलों

के प्रभाव को समझना जरूरी है और यदि किसी मुद्दे पर विरोध किया जा रहा है तो उसका उद्देश्य आम लोगों को परेशान करना नहीं होना चाहिए, जबकि एक नर्स ने कहा, प्रदर्शन के कारण उन्हें कई किलोमीटर पैदल चलकर अस्पताल पहुंचना पड़ा। दरअसल विपक्षी दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे संशोधित एमएमडीआर अधिनियम को रद्द करने, पाठ्यपुस्तकों में कथित गलतियों पर कार्रवाई, शिक्षा मंत्री नित्यानंद गोंड के इस्तीफे और बाह्य प्रभावित लोगों को मुआवजा देने समेत विभिन्न मांगों को लेकर बंद का आह्वान किया था। सीपीएम के ओडिशा महासचिव सुरेश पाणिग्रही ने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन ने बंद को सफल बनाने के लिए पिछले 10 दिनों से प्रचार किया था।

भारत में नेपाल-बांग्लादेश जैसी अराजकता फैलाना चाहती है कांग्रेस

-भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी का आरोप- राहुल सत्ता में आने के लिए बेताब

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के विरोध प्रदर्शन को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सड़क पर प्रदर्शन के जरिए भारत में नेपाल और बांग्लादेश जैसी अराजकता फैलाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सत्ता में आने के लिए बेताब हैं और विरोध प्रदर्शन के जरिए देश में अशांति पैदा करना चाहते हैं।

भाजपा प्रवक्ता भंडारी ने बुधवार के प्रदर्शन से जुड़े कुछ वीडियो फुटेज दिखाते हुए आरोप लगाया कि राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दिल्ली पुलिस के साथ धक्का-मुक्की की। उन्होंने दावा किया कि एक वीडियो में कांग्रेस कार्यकर्ता पुलिसकर्मी को धक्का देते और लात मारते दिखाई दे रहे हैं। दूसरे वीडियो के आधार पर उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी राहुल गांधी से शांतिपूर्ण



प्रदर्शन करने की अपील कर रहे थे, लेकिन राहुल ने पुलिसकर्मी को धक्का दिया। भाजपा प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ अंतर्राष्ट्रीय ताकतें राहुल गांधी के साथ वीडियो का हवाला देते हुए प्रियंका गांधी वाड़ा पर भी पुलिसकर्मियों को धक्का देने की कोशिश करने का आरोप लगाया। भंडारी ने कहा कि निर्वाचन आयोग से जुड़ा मामला पहले से ही सुप्रीम कोर्ट में विचारधीन है और सड़क पर किए जा रहे प्रदर्शन का न्यायिक प्रक्रिया पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल

गांधी विरोध प्रदर्शन के जरिए सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर दबाव डालने और न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ अंतर्राष्ट्रीय ताकतें राहुल गांधी के साथ मिलकर भारत में अशांति पैदा करने की कोशिश कर रही हैं। भंडारी ने कहा कि भारत का लोकतंत्र मजबूत और सुरक्षित है। उन्होंने राहुल गांधी के राजनीतिक उद्देश्य पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनका मकसद लोकतंत्र नहीं बल्कि परिवार को फिर से सत्ता में लाना है।

मेरा गांव मेरी जिम्मेदारी की भावना से काम करें पंचायत प्रतिनिधि : मुख्यमंत्री

हरिद्वार (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को हरिद्वार में निस्त्रीय पंचायत प्रतिनिधियों के क्षमता विकास के लिए आयोजित एक दिवसीय अभिमुखीकरण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। उन्होंने कहा कि सशक्त पंचायतें विकसित उत्तराखंड की मजबूत नींव हैं। प्रदेश के सभी विकासखंडों में एक साथ 60 हजार से अधिक पंचायत प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण से जोड़ना ग्रामीण विकास के नई दिशा देने वाला महत्वपूर्ण प्रयास है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायत प्रतिनिधि लोकतंत्र की महत्वपूर्ण कड़ी होने के साथ सरकार और जनता के बीच सेतु हैं। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से मेरा गांव-

मेरी जिम्मेदारी की भावना के साथ कार्य करने और पात्र लोगों को हर जरूरत योजनाओं का लाभ पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी से ग्राम, क्षेत्र और जिला पंचायतों की विकास योजनाएं तैयार की जाएं तथा स्थानीय जरूरतों, जनसुझावों और उपलब्ध संसाधनों को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पंचायत की विकास योजना में पेवजल, सड़क, स्वच्छता, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत जरूरतों को शामिल किया जाना चाहिए। ग्राम सभाओं में लोगों के सुझाव लेकर कार्यों की नियमित समीक्षा हो और कमजोर एवं वंचित वर्गों की जरूरतों पर हैं। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से मेरा गांव-



मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2025-26 में प्रदेश के 56 हजार से अधिक पंचायत प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण दिया गया। राज्य

व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि ऊधमसिंह नगर के खुरपिया में करीब 1,002 एकड़ क्षेत्र में एकीकृत विनिर्माण समूह विकसित किया जा रहा है। चमोली, पौड़ी और अल्मोड़ा में छोटे उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए विशेष औद्योगिक पार्क विकसित करने की दिशा में कार्य चल रहा है। हरिद्वार में छोटे उद्यमियों के लिए बहुमंजिला कारखाना सुविधा भी विकसित की जा रही है।

उन्होंने कहा कि फार्मा, हर्बल, आयुष, इंजीनियरिंग और वाहन कलपुर्जा क्षेत्र में उत्तराखंड तेजी से आगे बढ़ रहा है। स्थानीय उत्पादों और हस्तशिल्प को बड़े बाजार से जोड़ने पर भी जोर दिया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने औद्योगिक इकाइयों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इससे पहले उन्होंने पुलिस लाइन स्थित हेलीपैड पर प्रशिक्षण ले रहे पुलिस जवानों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में विधायक आदेश चौहान, पूर्व मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर सहित उद्योग और व्यापार जगत के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

वोटर लिस्ट से काटे गए वोटरों के नाम जुड़ने तक जारी रहेगी लड़ाई

-कांग्रेस सांसद इमरान मसूद का दावा- गिन लोगों के वोटिंग अधिकार छीने गए, उन्हें वापस लाना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने गुरुवार को चुनाव आयोग के खिलाफ पार्टी के अभियान को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि वोटर लिस्ट से हटाए गए 13 करोड़ नाम वापस जोड़े जाने तक यह लड़ाई जारी रहेगी। मसूद ने चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिन लोगों के नाम कथित तौर पर बांग्लादेशी घुसपैठिया बताकर हटाए गए हैं, उनकी संख्या बांग्लादेश की आबादी से भी अधिक है। सांसद मसूद ने कहा कि जब तक यह कथित लूट बंद नहीं होती और जिन 13 करोड़ लोगों के मतदान अधिकार छीने गए हैं, उन्हें वापस नहीं किया जाता, तब तक विपक्ष का संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने सवाल किया कि इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए जाने के बाद लोकतंत्र का क्या अर्थ रह जाता है।

सरकार बैकफुट पर घबराई हुई : उज्जवल रमन इस बीच कांग्रेस सांसद उज्जवल रमन सिंह ने विपक्षी सांसदों के विरोध प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि विपक्षी सांसदों, जिनमें लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी शामिल थे, को निर्धारित विरोध स्थल तक जाने से रोका गया और पुलिस ने उन्हें वहां से हटा दिया। सिंह ने आरोप लगाया कि सरकार बैकफुट पर और घबराई हुई है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से प्रदर्शन करने वालों को जंतर-मंतर तक जाने की अनुमति नहीं दी जा रही और पुलिस बल का इस्तेमाल कर उन्हें वाहनों में बैठाया जा रहा है। उन्होंने सवाल किया कि क्या लोकसभा में विपक्ष के नेता के साथ ऐसा व्यवहार उचित है। उन्होंने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए क्रिकेट के अपायर का उदाहरण दिया।



रही है और नियमों का उल्लंघन मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

एमडीए उपपक्ष्य बंशीधर तिवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के स्पष्ट निर्देश हैं कि प्रदेश में सुनियोजित विकास और भवन निर्माण नियमों का प्रभावी अनुपालन

सुनिश्चित किया जाए। मसूरी जैसे महत्वपूर्ण पर्यटन क्षेत्र में अवैध व्यावसायिक निर्माण किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। प्राधिकरण द्वारा ऐसे निर्माणों की लगातार निगरानी की जा रही है और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण का उद्देश्य किसी को परेशान करना नहीं, बल्कि शहर के सुनियोजित, सुरक्षित और व्यवस्थित विकास को सुनिश्चित करना है। उन्होंने भवन स्वामियों से निर्माण शुरू करने से पहले मानचित्र स्वीकृत कराने और निर्धारित मानकों का पालन करने की अपील की।

एमडीए सचिव मोहन सिंह बर्निया ने कहा कि प्राधिकरण क्षेत्र में अवैध निर्माण और स्वीकृत मानचित्र के विपरीत किए जा रहे निर्माण के मामलों को गंभीरता से लिया जा रहा है। मसूरी क्षेत्र में निर्माण गतिविधियों की नियमित निगरानी की जा रही है। जांच के दौरान नियम विरुद्ध निर्माण पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने भवन स्वामियों और व्यावसायिक प्रतिष्ठान संचालकों से बिना अनुमति अथवा स्वीकृत मानचित्र के विपरीत निर्माण नहीं करने की अपील की। उन्होंने स्पष्ट किया कि अवैध निर्माण के खिलाफ प्राधिकरण की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

खेल महाकुंभ फुटबॉल के फाइनल में पहुंचीं नैनीताल और पौड़ी की टीमें

हरिद्वार (शिखर समाचार)। खेल महाकुंभ-2026 मुख्यमंत्री चैंपियनशिप ट्रॉफी के तहत आयोजित राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता के पांचवें दिन अंडर-14 और अंडर-19 बालक वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले खेले गए। दोनों वर्गों में नैनीताल और पौड़ी की टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश किया।



अंडर-14 बालक वर्ग के पहले सेमीफाइनल में नैनीताल ने देहरादून को एकतरफा मुकाबले में 3-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। दूसरे सेमीफाइनल में पौड़ी और चमोली की टीमों आमने-सामने हुईं। पौड़ी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए चमोली को 2-0 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। इस वर्ग का खिताबी मुकाबला अब नैनीताल और पौड़ी के बीच होगा।

अंडर-19 बालक वर्ग के पहले सेमीफाइनल में नैनीताल का

मुकाबला बागेश्वर से हुआ। नैनीताल की टीम ने बेहतरीन तालमेल और आक्रामक खेल के दम पर बागेश्वर को 2-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरे सेमीफाइनल में पौड़ी और चंपावत के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें पौड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3-0 से जीत दर्ज की। इस तरह अंडर-19 वर्ग के फाइनल में भी नैनीताल और पौड़ी की टीमों आमने-सामने होंगी। प्रतियोगिता के दौरान जिला क्रीडाधिकारी रविंद्र भंडारी,

मुख्यमंत्री चैंपियनशिप ट्रॉफी के प्रभारी मुकेश कुमार भट्ट, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी पुनम मिश्रा, प्रशासनिक अधिकारी जितेंद्र पंडे, सहायक प्रशिक्षक शुभम बोरा, खेल समन्वयक, शिक्षा विभाग के खेल शिक्षक तथा निर्णायक वीरेंद्र सिंह रावत, मनोज नेगी, वरुण चौहान, उत्कृष्ट गोस्वामी, हिमांशु प्रजापति, सौरभ संदीप, सुमित और मुदस्सीम सहित युवा कल्याण विभाग के प्रशिक्षक एवं अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रतिभावान बच्चों को बांटी स्टेशनरी, खिले चेहरे: एलायंस क्लब हापुड़ गौरव ने गौशाला परिसर में आयोजित किया सेवा कार्यक्रम



हापुड़ (शिखर समाचार)। एलायंस क्लब हापुड़ गौरव के तत्वावधान में गढ़ रोड स्थित गौशाला परिसर में सेवा एवं शिक्षा को समर्पित एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान क्लब की ओर से जरूरतमंद और प्रतिभावान बच्चों को पठन-पाठन सामग्री (स्टेशनरी) वितरित की गई। सहायता स्वरूप स्टेशनरी पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्लब अध्यक्ष डॉ. आराधना बाजपेई ने कहा कि शिक्षा ही वह प्रकाश है, जो बच्चों के जीवन से अज्ञानता के अंधकार को दूर कर उन्हें उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जाता है। यदि बच्चों को सही दिशा और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं, तो वे आगे चलकर समाज और राष्ट्र का नाम रोशन कर सकते हैं। इस अवसर पर उषा अग्रवाल, रजनी बंसल और संतोष शर्मा ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि बच्चों की शिक्षा में किया गया हर सहयोग समाज के स्वर्णिम भविष्य में निवेश के समान है। उन्होंने समाज के सभी समर्थ लोगों से जरूरतमंद और होनहार बच्चों की मदद के लिए आगे आने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान गौरी, आरव, आयुष सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

समरसेबल की खुदाई के दौरान फटी गैस पाइपलाइन: रिसाव से मचा हड़कंप, दमकल टीम ने पाया काबू



हापुड़ (शिखर समाचार)। सदर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत दिल्ली रोड पर गुरुवार को समरसेबल लगवाने के लिए की जा रही खुदाई के दौरान भूमिगत गैस पाइपलाइन अचानक क्षतिग्रस्त हो गई। पाइपलाइन फटते ही तेजी से गैस का रिसाव शुरू हो गया और आसपास के पूरे इलाके में तीखी गंध फैल गई। अचानक बदबू फैलने और अनहोनी की आशंका से स्थानीय निवासियों और व्यापारियों में अफरा-तफरी मच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिल्ली रोड स्थित एस.एस.वी. इंटर कॉलेज के सामने एक निजी परिसर में समरसेबल बोरिंग के लिए जमीन की खुदाई का काम चल रहा था। इसी दौरान जमीन के नीचे से गुजर रही गैस पाइपलाइन मशीन की चपेट में आ गई और बुरी तरह फट गई। पाइपलाइन से गैस बाहर निकलते ही क्षेत्र में सनसनी फैल गई और लोग किसी बड़े हादसे के डर से अपने घरों व दुकानों से बाहर निकल आए। गैस रिसाव की सूचना मिलते ही दमकल विभाग (फायर ब्रिगेड) की कई गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं। दमकल टीम ने बिना देरी किए सुरक्षा के लिहाज से आसपास के इलाके को खाली कराया और स्थिति पर नियंत्रण पाने के प्रयास शुरू कर दिए। वहीं, मुख्य लाइन से गैस आपूर्ति बंद कराने तथा क्षतिग्रस्त पाइपलाइन की तुरंत मरम्मत के लिए संबंधित गैस कंपनी के तकनीकी अधिकारियों को भी सूचित किया गया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) अजय शर्मा ने बताया कि दमकल टीम की त्वरित कार्रवाई से एक बड़ा हादसा टल गया और इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। फिलहाल गैस रिसाव पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है और स्थिति पूरी तरह सामान्य है।

अवैध हुक्का बार पर कविनगर पुलिस का शिकंजा, चार गिरफ्तार



गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना कविनगर पुलिस टीम ने अवैध रूप से हुक्का बार संचालित करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बड़ी संख्या में हुक्का बार में इस्तेमाल होने वाला सामान बरामद किया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस को मौके से 07 हुक्के, 10 पाइप, 06 चिलम तथा विभिन्न प्रकार के पलेवर वाले तंबाकू के बड़े व छोटे पैकेट एवं डिब्बे मिले। इसके अलावा हुक्का तैयार करने में इस्तेमाल होने वाले कोयले के 27 डिब्बे भी बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, कार्रवाई के दौरान कांटेटर से एक बिल बुक तथा चार मोबाइल फोन भी बरामद हुए हैं। पुलिस टीम ने बरामद सामान को कब्जे में लेकर आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना कविनगर पुलिस की इस कार्रवाई के बाद अवैध रूप से संचालित हुक्का बार संचालकों में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस द्वारा क्षेत्र में ऐसे अवैध प्रतिष्ठानों के खिलाफ आगे भी अभियान जारी रखने की बात कही गई है।

कांग्रेस का तहसील परिसर में विरोध मार्च, राष्ट्रपति के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन



खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुजफ्फरनगर जनपद कांग्रेस कमेटी के जिला उपाध्यक्ष योगेश खारी के नेतृत्व में तहसील परिसर में विरोध मार्च निकालकर विभिन्न मुद्दों को लेकर अपनी आवाज बुलंद की। विरोध मार्च के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन एसडीएम लालित कुमार मिश्रा को सौंपा। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और चुनाव व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को लेकर अपना विरोध दर्ज कराया। ज्ञापन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से त्यागपत्र देने की मांग की। कार्यकर्ताओं का कहना था कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया बेहद महत्वपूर्ण है और चुनाव आयोग की विश्वसनीयता को बनाए रखना आवश्यक है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति से भारतीय संविधान की रक्षा सुनिश्चित करने तथा संविधान के मूल स्वरूप के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ को रोकने की मांग भी की। उन्होंने कहा कि संविधान देश के लोकतांत्रिक कर्माई की मांग की है और इसकी गरिमा एवं मूल भावना की रक्षा करना सभी की जिम्मेदारी है। इससे पूर्व कांग्रेस कार्यकर्ता तहसील परिसर में एकत्र हुए और विरोध मार्च निकालते हुए अपनी मांगों के समर्थन में आवाज उठाई। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर उनसे उठाई गई मांगों पर आवश्यक कार्रवाई की मांग की। विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह दिखाई दिया। इस मौके पर नीरज शर्मा, गंगा शरण एडवोकेट, सुबोध कुमार, ताराचंद, बाबुराम, नारायण गुर्जर, बीडी आर्य, नवाब सिंह सहित अन्य अधिकारता और कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुरादनगर में अवैध कॉलोनियों पर जीडीए का बुलडोजर, 14,500 वर्ग मीटर में हुई ध्वस्तीकरण कार्रवाई

सड़कें, बिजली के खंभे, बाउंड्रीवॉल और साइट ऑफिस किए ध्वस्त, कार्रवाई के दौरान कॉलोनाइजर्स ने किया विरोध

आरव शर्मा गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मुरादनगर क्षेत्र में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनियों के खिलाफ गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 14,500 वर्ग मीटर क्षेत्र में की गई अवैध प्लॉटिंग को ध्वस्त कर दिया। प्रभागी प्रवर्तन जोन-02 के नेतृत्व में प्राधिकरण की टीम ने दो अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए सड़क, बाउंड्रीवॉल, साइट ऑफिस सहित अन्य निर्माणों को

बुलडोजर से ध्वस्त किया। प्राधिकरण के अनुसार, खसरा संख्या 73/2, ग्राम असातलनगर (जलालाबाद), हनुमान मंदिर से शोभापुर गांव की ओर बंबे के किनारे स्थित रास्ते पर करीब 11,000 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में सड़कें बनाकर, बिजली के खंभे लगाकर प्लॉटिंग विकसित की जा रही थी। इस मामले में अमरीश कुमार, उमेश, सुनील तेवतिया और बाँबी चौधरी आदि के नाम सामने आए हैं। मौके पर स्वीकृत तलपट मानचित्र प्रस्तुत नहीं किया



गया, जिसके बाद प्राधिकरण ने ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। इसी

क्रम में जलालाबाद रोड पर शिव धर्म काटे के सामने करीब 3,500 वर्ग

मीटर क्षेत्र में सन्नी डायर द्वारा की जा रही अवैध प्लॉटिंग के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। यहां विकसित की गई सड़क, बाउंड्रीवॉल, साइट ऑफिस समेत अन्य निर्माणों को प्राधिकरण के प्रवर्तन दस्ते ने ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान स्थानीय निर्माणकर्ताओं और कॉलोनाइजर्स ने विरोध किया, लेकिन प्राधिकरण पुलिस बल की मौजूदगी में टीम ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई जारी रखी।

कार्रवाई के दौरान सहायक अभियंता, अवर अभियंता, प्रवर्तन जोन-02 का स्टॉफ, प्राधिकरण पुलिस बल और प्रवर्तन दस्ता मौजूद रहा। (जीडीए अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अवैध कॉलोनियों और बिना स्वीकृति की जा रही प्लॉटिंग के खिलाफ ध्वस्तीकरण एवं सीलिंग की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। आगामी दिनों में भी ऐसे स्थलों को चिन्हित कर प्राधिकरण की ओर से कार्रवाई किए जाने की बात कही गई है।

डेढ़ करोड़ की पुरानी करेंसी का खेल: 1.44 करोड़ के प्रतिबंधित नोटों के साथ कारोबारी गिरफ्तार, दो साथी नामजद

हापुड़ (शिखर समाचार)। विमुद्रीकरण (नोटबंदी) के लगभग एक दशक बाद भी प्रतिबंधित पुराने भारतीय नोटों को नई मुद्रा में बदलने का अवैध खेल बदस्तूर जारी है। हापुड़ देहात थाना पुलिस ने राष्ट्रीय राजमार्ग-9 स्थित मेरठ बाइपास गोल चक्कर के पास चेकिंग के दौरान एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 1.44 करोड़ रुपये की प्रतिबंधित पुरानी करेंसी बरामद की है। बरामद नोटों में 1000 रुपये के 127 बंडल और 500 रुपये के 34 बंडल शामिल हैं। पुलिस ने आरोपी की मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली है। पुलिस के अनुसार, बुधवार रात पुलिस टीम राष्ट्रीय राजमार्ग-9 के सेवा मार्ग (सर्विस रोड) पर पेट्रोल पंप के समीप सड़क किनारे की जांच कर रही थी। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति बैग में भारी मात्रा में प्रतिबंधित पुरानी करेंसी लेकर गाजियाबाद की ओर से मेरठ जाएगा। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम



ने घेराबंदी शुरू कर दी। कुछ देर बाद सदेहास्पद परिस्थिति में पहुंचे मोटरसाइकिल सवार ने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया, परंतु पुलिसकर्मियों ने उसे मौके पर ही धर दबोचा। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम देवेन्द्र रहेला (निवासी लोनी, गाजियाबाद; हाल निवासी नंदग्राम) बताया। वाहना तलाशी के दौरान बैग से 1000 रुपये के पुराने नोटों की 127 गड्डियां और 500 रुपये के नोटों की 34 गड्डियां बरामद हुईं। मुद्रा गणना यंत्र (नोट गिनने की मशीन) से जांच करने पर 1000 रुपये के नोटों का मूल्य 1.27 करोड़ रुपये तथा 500

रुपये के नोटों का मूल्य 17 लाख रुपये दर्ज किया गया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अपने दो अन्य साथियों-रवि उर्फ विक्रान्त श्रीवास्तव (निवासी लखनऊ) तथा अविनाश पांडेय (निवासी गाजियाबाद) के नाम उजागर किए हैं। आरोपी लोगों को पुरानी मुद्रा के बदले नई मुद्रा दिलाने का झंझा देकर ये नोट एकत्रित करते थे। पुलिस ने बरामद करेंसी को सील कर आयकर विभाग को सूचित कर दिया है तथा आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और निर्दिष्ट बैंक नोट अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर नेटवर्क की जांच शुरू कर दी है।

350 छात्राओं ने लिया नशामुक्त समाज बनाने का संकल्प

शामली (शिखर समाचार)। जैन कन्या इंटर कॉलेज, शामली में बचपन की मुस्कानझनशामुक्त हिन्दुस्तान अभियान के तहत नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जैन संत निपुण मुनि महाराज के सान्निध्य में आयोजित कार्यक्रम में 350 छात्राओं ने नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ, संस्कारवान और नशामुक्त समाज के निर्माण में योगदान देने की शपथ ली। कार्यक्रम का शुभारंभ किरण सेवा समिति की अध्यक्ष डॉ. रितु जैन ने णमोकार मंत्र के सामूहिक उच्चारण और मंगलाचरण के साथ किया। छात्राओं ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया। जैन संत निपुण मुनि महाराज ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि उसके विचार, व्यवहार, शिक्षा, संस्कार और पारिवारिक जीवन को भी प्रभावित करता है। विद्यार्थी जीवन भविष्य की नींव रखने का समय है, इसलिए



युवाओं को नशे से दूर रहकर शिक्षा, अनुशासन, योग, खेलकूद और सकारात्मक गतिविधियों को अपनाना चाहिए। छात्राओं से स्वयं नशे से दूर रहने के साथ परिवार और आसपास के लोगों को भी नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बच्चों की

मुस्कान और सुरक्षित भविष्य तभी सुनिश्चित हो सकता है, जब उन्हें नशे, गलत संगति और अन्य सामाजिक बुराइयों से दूर रखा जाए। नशामुक्ति प्रेरक गुरुदेव नरेश चंद महाराज के जागरूकता संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान भी किया गया। विद्यालय प्रबंधक वीरेंद्र जैन ने कहा कि नशे की रोकथाम में

परिवार और शिक्षण संस्थानों की भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रधानाचार्या संचिका ढाका ने छात्राओं से शपथ करने को जीवन का स्थायी संकल्प बनाने और दूसरों को भी नशामुक्ति के लिए प्रेरित करने की अपील की। कार्यक्रम में आगम जैन सहित शिक्षकगण और अन्य लोग मौजूद रहे। संचालन आगम जैन ने किया।

रामलीला में रावण-वेदवती संवाद ने दर्शकों को किया भावुक



रामपुर मनिहारन/सहारनपुर (शिखर समाचार)। नगर के पीठ बाजार में श्री गंगाराम रामलीला कमेटी के तत्वावधान में आयोजित 55वें रामलीला महोत्सव के दूसरे दिन कलाकारों ने सीता जन्म प्रसंग के दौरान रावण-वेदवती संवाद का मार्मिक मंचन किया। प्रभावशाली अभिनय ने दर्शकों को भावुक कर दिया और पूरे पंडाल में धर्म तथा मयार्दा से जुड़े प्रसंग का प्रभाव देखने को मिला। मंचन के दौरान दिखाया गया कि जंगल में विचरण करते समय रावण की नजर एक सुंदर कन्या वेदवती

पर पड़ती है। वह उसके रूप से मोहित होकर उसे अपने वश में करने का प्रयास करता है, लेकिन वेदवती रावण की बात मानने से इनकार कर देती है। रावण द्वारा उसे स्पर्श किए जाने पर वेदवती सती होने से पहले उसे श्राप देती है कि वह मिथिलापुरी में जन्म लेकर रावण के सर्वनाश का कारण बनेगी। इस प्रसंग का कलाकारों ने भावपूर्ण ढंग से मंचन किया। कार्यक्रम में रामलीला कमेटी के संरक्षक एवं पूर्व विधायक मनोज चौधरी ने कहा कि रामायण के प्रत्येक पात्र के चरित्र से समाज को

जीवन में सद्गुण अपनाने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति के महानायक और युगपुष्प भगवान श्रीराम के आदर्श आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। उनके जीवन से सत्य, मयार्दा, त्याग और कर्तव्य का संदेश मिलता है। रामलीला मंचन के दौरान कमेटी के नवनियुक्त अध्यक्ष रामनिवास सैनी, महामंत्री रोशन कश्यप, मंत्री पल्लू पाल, मंच प्रबंधक सनी सैनी, कोषाध्यक्ष अजय सैनी पिंटू, निर्देशक प्रीतम सैनी, राजन कश्यप, प्रदीप और पंकज सैनी सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

मतदाता सूची में गड़बड़ी के विरोध में सपा का प्रदर्शन, मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग

सहारनपुर (शिखर समाचार)। लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा तथा निर्वाचन प्रक्रिया में निष्पक्षता सुनिश्चित कराने की मांग को लेकर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन और पैदल मार्च किया। कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति को संबोधित छह सूत्रीय ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपकर विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के मामले को निष्पक्ष जांच करने और मुख्य चुनाव आयुक्त को तत्काल हटाने की मांग की। सपा कार्यकर्ता अंबाला रोड स्थित जिला कार्यालय पर एकत्र हुए। जिलाध्यक्ष चौधरी अब्दुल वाहिद और देहात विधायक आशु मलिक के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने गांधी पार्क स्थित गांधी प्रतिमा की ओर कूच किया, लेकिन थाना कुतुबेशेर पुलिस ने उन्हें रास्ते में रोक लिया। सूचना पर सिटी मजिस्ट्रेट मौके पर पहुंचे और ज्ञापन लेकर उसे राष्ट्रपति भवन भेजने

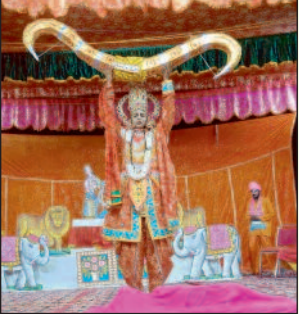


का आश्वासन दिया। कार्यकर्ताओं ने मतदाता सूची की अनियमितताओं की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। सपा नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रदर्शन से पहले कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को उनके घरों में ही रोक दिया गया था। अधिकारियों से वार्ता के बाद उन्हें पार्टी कार्यालय जाने की अनुमति मिली। प्रदेश सचिव रूही अंजुम को अंबेडकर चौक पर हिरासत में लेकर थाना जनकपुरी में रखा गया। पार्टी कार्यालय से कार्यकर्ता हाथों में तख्तियां और झंडे लेकर आगे बढ़े, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इस

दौरान कई स्थानों पर पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। जिलाध्यक्ष चौधरी अब्दुल वाहिद, विधायक आशु मलिक, पूर्व विधायक वीरेंद्र ठाकुर, श्रीपाल राणा और सांसद प्रतिनिधि साजिद हसन ने कहा कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा की लड़ाई जारी रहेगी। प्रदर्शन में पूर्व राज्य मंत्री विनोद तेजियान, पूर्व विधायक मनोज चौधरी, मजाहिर राणा, संदीप सैनी, नदीम कुरैशी, मुस्तकीम राणा, राजेश सैनी, नवाब अंसारी, हसीन कुरैशी, मजहबी खान, सुमन लता सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल रहे।

धनुष टूटते ही गूँजे जयकारे, लक्ष्मण-परशुराम संवाद ने दर्शकों में भरा रोमांच

मुरादनगर (शिखर समाचार) : टंकी रोड स्थित रामलीला मैदान में श्री आदर्श रामलीला कमेटी के तत्वावधान में आयोजित रामलीला महोत्सव में धनुष यज्ञ, सीता स्वयंवर तथा लक्ष्मण-परशुराम संवाद की लीला का भव्य मंचन किया गया। कलाकारों के जीवंत अभिनय ने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। सीता स्वयंवर के प्रसंग के दौरान महर्षि विश्वामित्र श्रीराम और लक्ष्मण के साथ महाराज जनक के दरबार में पहुंचे। महाराज जनक ने घोषणा की कि जो भी योद्धा भगवान शिव के पिनाक धनुष पर प्रत्येक चढ़ाकर उसे तोड़ेंगा, राजकुमारी सीता का विवाह उसी के साथ संपन्न होगा। दरबार में उपस्थित अनेक पराक्रमी राजाओं ने धनुष उठाने का प्रयास किया, किंतु कोई उसे हिला भी न सका। सभा की निष्फलता से हतोत्साहित होकर महाराज जनक ने जब यह कहा कि क्या यह पृथ्वी वीरों से विह्वल हो गई है, तो उनके ये शब्द



लक्ष्मण को असह्य लगे और वे क्रोधित हो उठे। तत्पश्चात महर्षि विश्वामित्र के शांत कण्ठ पर श्रीराम ने युग की आज्ञा पाकर धनुष उठाया और जैसे ही प्रत्येक चढ़ाई, धनुष के दो टुकड़े हो गए। 'प्रभु दोउ वाणखंड महि डारे, देखि लोग सब भए सुखारे' के दृश्य के बीच माता सीता ने श्रीराम के गले में वरमाला पहनाई, जिससे पूरा प्राणिंग 'जय श्रीराम' के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा। धनुष भंग की भयंकर टकार सुनकर भगवान परशुराम क्रोधित होकर जनक दरबार पहुंचे। उनके कठोर वचनों का लक्ष्मण ने प्रखरता से उत्तर दिया, जिससे दोनों के मध्य हुआ तीखा संवाद दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना। अंततः श्रीराम ने अपने मधुर व शांत वचनों से परशुराम के क्रोध को शांत किया, जिसके बाद परशुराम ने श्रीराम के वास्तविक स्वरूप को पहचानकर उन्हें प्रणाम किया। मंचन के दौरान व्यवस्था व संयोजन में बुध्दकाश गोयल, अरविंद भारतीय, सुशील गोयल, अद्यक्ष विनोद वनगर, महामंत्री महेश चंद गोयल, कोषाध्यक्ष सुभाष चंद्र गर्ग, हर्षित गोयल, स्पुन्दन रस्तोगी, अशोक कुमार गुप्ता, राकेश गर्ग, राजकुमार गोयल, डॉ. राजेंद्र अरोड़ा, महेश चंद सिंघल, प्रमोद गोयल, निशांक गोयल, चंकित सिंघल, राजकुमार गौतम, अनिल कुमार, दीपाक गोयल, सचित गोयल, एकंज यादव, मंजु गोयल तथा सपना सहित भारी संख्या में गणमान्य नागरिक व श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बाइक टकराने पर सेना के जवान से बर्बरता: मारपीट कर नाक का हिस्सा काटा, पुलिस जांच में जुटी

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) । जेवर अलीगढ़ के गांव बुढ़ाका निवासी और भारतीय सेना के जवान के साथ जेवर क्षेत्र में बाइक टकराने की मामूली सी बात को लेकर दबंगों द्वारा बुरी तरह मारपीट करने और नुकीली वस्तु से वार कर नाक का हिस्सा काटने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़ित जवान की शिकायत पर पुलिस ने घायल को उपचार व चिकित्सीय परीक्षण (मैडिकल) के लिए अस्पताल भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, अलीगढ़ के बुढ़ाका गांव निवासी रॉकी तालान बुधवार शाम किसी कार्यस्थ जेवर आए थे। शाम करीब 7-30 बजे वह अपनी मोटरसाइकिल से वापस गांव लौट रहे थे। जैसे ही वह आए एंड्र आर कॉलोनी के समीप पहुंचे, तभी अवाक उनकी मोटरसाइकिल एक युवक से टकरा गई। इस बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई। आरोप है कि युवक ने रॉकी के साथ गाली-गलज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। कुछ ही देर में आरोपी के दो अन्य साथी भी मौके पर पहुंच गए और तीनों ने मिलकर पीड़ित जवान के साथ बर्बरतापूर्वक मारपीट की। आरोप है कि मारपीट के दौरान हमलावरों ने किसी नुकीली लोहे की वस्तु से रॉकी की नाक पर जानलेवा वार कर दिया, जिससे उनकी नाक का अगला हिस्सा काट गया। इसके बाद भी दबंगों का मन नहीं भरा और उन्होंने पीड़ित की जाघ पर हथौड़े से हमला कर दिया। बता दें कि पीड़ित रॉकी तालान भारतीय सेना में कार्यरत हैं और वर्तमान में सियाचिन ग्लेशियर आधार शिविर (बेस कैंप) में तैनात हैं। वह छुट्टियों में अपने घर आए हुए थे। जेवर पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

ऑपरेशन प्रहार में मुरादनगर पुलिस और आबकारी टीम की बड़ी कार्रवाई, 97 पेटी अवैध शराब बरामद

मुरादनगर (शिखर समाचार) । शाना मुरादनगर पुलिस टीम एवं आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने अवैध शराब की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे ह्वऑपरेशन प्रहारह्व के तहत चेकिंग के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। संयुक्त टीम ने आरोपियों के कब्जे एवं उनकी निशानदेही पर 97 पेटी अवैध शराब तथा एक स्कूटी बरामद की है। पुलिस के अनुसार क्षेत्र में अवैध शराब की बिक्री एवं तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस और आबकारी टीम संदिग्ध वाहनों एवं व्यक्तियों की जांच कर रही थी। चेकिंग के दौरान संदिग्ध गतिविधि सामने आने पर टीम ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को हिरासत में लिया। पूछताछ एवं निशानदेही के आधार पर अवैध शराब की बरामदगी की गई। पुलिस ने बरामद शराब और स्कूटी को कब्जे में लेकर दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अवैध शराब के कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

रिटायर वायुसेना कर्मी से 35 लाख की ठगी: प्लाट दिलाने के नाम पर भूमाफियाओं ने रचा जाल, कोर्ट के आदेश पर मामला दर्ज

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) । रबपुरा आबादी भूखंड (प्लाट) बेचने के नाम पर एक जालसाज ने भूमाफियाओं के साथ मिलकर भारतीय वायु सेना के एक सेवानिवृत्त (रिटायर्ड) जवान से 35 लाख रुपये की ठगी कर ली। पीड़ित द्वारा दर-दर भटकने और स्थानीय पुलिस से मदद न मिलने पर न्यायालय का दरवाजा खटखटाया गया। अब अदालत के कई आदेश के बाद रबपुरा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गाजियाबाद के राहुल विहार निवासी अजय कुमार पांडेय ने बताया कि वह वायु सेना से सेवानिवृत्त हैं। सेवानिवृत्ति के समय मिले सेवा लाभ के पैसों से उन्होंने रबपुरा के गांव नाला चानंद (माजरा करौली बांगर) निवासी सौरभ से आबादी का भूखंड खरीदा था। पीड़ित के अनुसार, जो दोहा मौजूद लोगों ने उनके साथ अमरुदात करते हुए जानलेवा हमला कर दिया। पीड़ित और उनके साथियों ने किसी तरह मौके से भागकर अपनी जान बचाई।

लेकिन कुछ दिनों बाद जब पीड़ित अपने साथियों के साथ मौके पर पहुंचे, तो वहां किसी भी भूखंड की चारदीवारी मौजूद नहीं थी। आरोप है कि विक्रेता ने उन भूखंडों को दोबारा किसी अन्य व्यक्ति को बेचने की नीयत से चारदीवारी और जमीनी निशानदेही को पूरी तरह नष्ट कर दिया था। जब पीड़ित ने स्थानीय लोगों से आरोपी के संबंध में पूछताछ करने की कोशिश की, तो वहां मौजूद लोगों ने उनके साथ अमरुदात करते हुए जानलेवा हमला कर दिया। पीड़ित और उनके साथियों ने किसी तरह मौके से भागकर अपनी जान बचाई। इसके बाद जब पीड़ित ने फौन पर संपर्क किया, तो आरोपी ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी और कहा कि यदि भूखंड चाहिए तो 60 लाख रुपये और देने होंगे। पीड़ित ने इस संबंध में पुलिस से लिखित शिकायत की, लेकिन आरोप है कि पुलिस द्वारा कोई सख्त कार्रवाई नहीं की गई। अंततः पीड़ित ने न्यायालय की शरण ली। अब अदालत के निर्देश पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

गौतमबुद्ध नगर में 5196 श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण, कार्यस्थलों पर पहुंचे स्वास्थ्य शिविर

स्वस्थ श्रमिक सशक्त श्रमिक की दिशा में श्रम विभाग की पहल

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) । श्रमिकों के स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं कल्याण को प्राथमिकता देते हुए शासन के निर्देशों के क्रम में जनपद गौतमबुद्ध नगर में 06 से 08 अक्टूबर तक श्रमिक सम्मान स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए। श्रम विभाग की ओर से विभिन्न औद्योगिक प्रतिष्ठानों एवं निर्माणीधीन स्थलों पर लगाए गए इन विशेष शिविरों में कुल 5196 श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। अभियान का उद्देश्य श्रमिकों को उनके कार्यस्थल के निकट ही स्वास्थ्य परीक्षण, आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श तथा स्वास्थ्य एवं सुरक्षा संबंधी जानकारी उपलब्ध कराना रहा।

अपर श्रमायुक्त राकेश द्विवेदी के दिशा-निर्देशन में आयोजित शिविरों के दौरान श्रम प्रवर्तन अधिकारियों ने विभिन्न औद्योगिक एवं निर्माण स्थलों पर पहुंचकर श्रमिकों को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ा। अभियान के अंतर्गत एटीएस सेक्टर-152, डैसनेक सेक्टर-93, गौर आइटैड, जेपी ग्रीन कैम्पस आइटैड, परी चौक ग्रेटर नोएडा, आनंद हैबिटेड इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड प्लॉट



संख्या ए-37 सेक्टर-62, टीसीएस सेक्टर-145 तथा ईओएन फेयरफैक्स सेक्टर-140 सहित अन्य प्रतिष्ठानों में स्वास्थ्य शिविर लगाए गए। शिविरों में कार्यरत श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा आवश्यकता के अनुसार चिकित्सकीय परामर्श एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। श्रमिकों को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने, संतुलित जीवनशैली अपनाने, व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने, पोषण पर ध्यान देने तथा

उधारी के विवाद में ट्रैक्टर से भीड़ को कुचला, तीन ग्रामीणों की मौत

बिजनौर (शिखर समाचार)।

चांदपुर थाना क्षेत्र के जमालदीपुर गांव के पास बुधवार देर शाम शराब के ठेके के मालगो के पैसों के लेनदेन को लेकर हुआ विवाद खूनी घटना में बदल गया। आरोप है कि शराब के नशे में दो लोगों ने ट्रैक्टर से ठेके के बाहर मौजूद ग्रामीणों को कुचल दिया। हादसे में उदयवीर सिंह, बाबुराम और महेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने शव सड़क पर रखकर चांदपुर-दतियाना मार्ग जाम कर दिया।

जानकारी के अनुसार जमालदीपुर गांव के पास शराब के ठेके के पर गांव निवासी सतवीर सिंह अंडे का ठेला लगाता है। बुधवार शाम दतियाना गांव निवासी वॉरेंडर सिंह और विनीत कुमार वहां पहुंचे। उधारे के पैसों को लेकर सतवीर से उनका विवाद हो गया। देखते ही देखते मामला मारपीट तक पहुंच गया। आरोप है कि दोनों युवक दौड़ लेने की धमकी देकर वहां से चले गए।



चश्मदीयों के मुताबिक करीब एक घंटे बाद वॉरेंडर और विनीत ट्रैक्टर लेकर दोबारा मौके पर पहुंचे। आरोप है कि दोनों शराब के नशे में थे और उन्होंने तेज रफ्तार ट्रैक्टर ठेके के बाहर मौजूद भीड़ पर चढ़ा दिया। तीन ग्रामीणों को कुचलने के बाद ट्रैक्टर बिजली के खंभे से टकराकर पलट गया। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। गुरुवार को मुरादाबाद रेंज के पुलिस

उपमहानिरीक्षक मुनिराज ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि तीन सदियों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है और मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगाई गई हैं। गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

मानदेय बढ़ाने की मांग को लेकर आशा

कार्यकताओं ने विधायक कार्यालय पर दिया धरना

शामली (शिखर समाचार)।

बढ़ाने समेत विभिन्न मांगों को लेकर अखिल भारतीय संगिनी व आशा वेलफेयर एसोसिएशन से जुड़ी आशा कार्यकताओं और संगिनियों ने गुरुवार को सदर विधायक प्रसन चौधरी के कैप कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद कार्यकताओं ने विधायक को ज्ञापन सौंपकर मांगों के शीघ्र समाधान की मांग की।

धरने को संबोधित करते हुए पूनम शर्मा ने कहा कि आशा कार्यकताओं का मानदेय बढ़ाकर कम से कम 21 हजार रुपये और आशा संगिनियों का मानदेय 26 हजार रुपये प्रतिमाह किया जाए। उन्होंने कहा कि आशा कार्यकता वर्ष 2006 और संगिनियां वर्ष 2014 से स्वास्थ्य सेवाओं में योगदान दे रही हैं, लेकिन अभी तक उन्हें नियुक्ति पत्र जारी नहीं किए गए हैं। कार्यकताओं ने प्रसव कार्य के दौरान होने वाले वक्तुसान की क्षतिपूर्ति राशि दिए जाने की भी मांग उठाई। उन्होंने आपातकालीन स्थिति में प्रसव कराने वाली आशा कार्यकताओं और संगिनियों को 700 रुपये प्रतिदिन के



हिसाब से 30 दिन का मुआवजा देने, दुर्घटना एवं मृत्यु बीमा का लाभ उपलब्ध कराने तथा सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन देने की मांग की। इसके अलावा सेवानिवृत्ति पर एकमुश्त 12 लाख रुपये दिए जाने की मांग भी रखी गई।

एसोसिएशन की बबिता ने चेतावनी दी कि यदि 25 अक्टूबर तक मांगों का समाधान नहीं किया गया तो आशा कार्यकता लखनऊ पहुंचकर धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगी। उन्होंने कहा कि मांगों को लेकर आशा कार्यकताओं के कामबंद

नगीना पहुंचे सिकंदर पवार का वाल्मीकि समाज ने किया जोरदार स्वागत

नगीना / बिजनौर (शिखर समाचार)।

उत्तराखंड सरकार के सफाई कर्मचारी आयोग के उपाध्यक्ष सिकंदर पवार वाल्मीकि के नगीना पहुंचने पर वाल्मीकि समाज के लोगों ने फूल-मालाओं, पगड़ी और शॉल भेंट कर जोरदार स्वागत किया। अपने गृह जनपद में मिले सम्मान से उत्साहित पवार ने समाज की एकजुटता पर जोर देते हुए सामाजिक हितों के लिए संगठित कार्यक आवाज उठाने का आह्वान किया। सिकंदर पवार अपने काफिले के साथ लोक निर्माण विभाग के अतिथि गृह के सभाकक्ष पहुंचे। यहां मेहर सिंह वाल्मीकि, मनोज वाल्मीकि, संदीप वाल्मीकि और सभासद कपिल पवार ने पगड़ी बांधकर तथा शॉल ओढ़ाकर उनका सम्मान किया। कार्यक्रम में पवार ने उठाने का बिजनौर उनकी जन्मभूमि है, जबकि उत्तराखंड उनकी कर्मभूमि है। उन्होंने उच्चतम न्यायालय के वंचित वर्गों को अलग से आरक्षण देने के



फैसले का हवाला देते हुए नगीना सांघद चंद्रशेखर पर निशाना साधा। पवार ने आरोप लगाया कि सांसद ने सदन से लेकर सड़क तक इस फैसले का विरोध किया। उन्होंने चंद्रशेखर को अमला लोकसभा या विधानसभा चुनाव जीतकर दिखाने की चुनौती भी दी। पवार ने कहा कि सरकार में रहते हुए ही वह नगर नििकायों में सफाई कर्मचारियों की ठेका प्रथा समाप्त कराने की मांग उठाते रहे हैं। उन्होंने बताया कि जल्द ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से समय लेकर प्रतिनिधिमंडल के साथ मुलाकात

की जाएगी और प्रदेश में सफाई कर्मचारियों की ठेका प्रथा समाप्त करने की मांग रखी जाएगी। कार्यक्रम का संचालन मनोज वाल्मीकि ने किया। इस दौरान कुंवर कृष्ण बलदेव सिंह, रोहित कुमार रवि, मुकेश वाल्मीकि, विद्या शंकर पाल, गोविंद वाल्मीकि, रोहित, अरवनी उर्फ विक्की, महेंद्र भगत, वंश उर्फ नन्नु, दीपक कुमार, विशेष कालिदास और मनोज कुमार वाल्मीकि सहित अनेक लोग मौजूद रहे। सभासद संदीप वाल्मीकि, अनिल वेद, मेहर सिंह और गोविंद ने भी विचार रखे।



कार्यस्थल पर स्वास्थ्य एवं सुरक्षा संबंधी सावधानियों का पालन करने के लिए जागरूक किया गया। सहायक श्रमायुक्त सुयश पाण्डेय एवं डॉ. एसपी सिंह ने कहा कि श्रमिक प्रदेश के औद्योगिक एवं आर्थिक विकास की महत्वपूर्ण आधारशिला हैं। श्रमिकों के स्वास्थ्य एवं कल्याण को सुनिश्चित करना केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि स्वस्थ, सुरक्षित, उत्पादक एवं सशक्त कार्यबल के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

पुराने विवाद में ताबड़तोड़ गोलीबारी, व्यक्ति की मौत : रंजिश के चलते कई राउंड फायरिंग कर की गई हत्या, कस्बे में पुलिस बल तैनात

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जेवर जेवर क्षेत्र के जहांगीरपुर कस्बे में बुधवार देर रात पुरानी रंजिश के चलते एक व्यक्ति की गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी गई। मृतक पूर्व में हुए एक हत्याकांड के मामले में जमानत पर बाहर आया हुआ था। वारदात के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। एहतियात के तौर पर कस्बे में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार, जहांगीरपुर के मोहल्ला व्यापारियान निवासी इमरान (40) बुधवार रात दवा लेने मेडिकल स्टोर गए थे। जब वह मोटरसाइकिल से घर वापस लौट रहे थे, तभी रास्ते में घात लगाए बैठे हमलावरों ने उन पर ताबड़तोड़ कई राउंड फायरिंग कर दी। गोलियां लगते ही इमरान लहुलुहान होकर सड़क पर गिर पड़े। अचानक हुई गोलीबारी से मौके पर भगदड़ मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और परिजनों की मदद से घायल को नजदीकी निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर पुलिस के उच्च अधिकारियों ने फॉरेंसिक टीम और फोल्ड यूनिट के साथ मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के भाई फुरकान की शिकायत पर पुलिस ने अनीस, नफीस, आरिफ, चांद, यूनस तथा जाम मोहम्मद नाम के छह आरोपियों के खिलाफ हत्या की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

हमलावरों से बचाए पर बड़ी थी दुश्मनी

उन्होंने बताया कि शासन की मंशा के अनुरूप श्रम विभाग द्वारा श्रमिकों को कार्यस्थल के निकट आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं, कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार के शिविर श्रमिकों तक सरकारी सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के साथ ही विभाग और श्रमिकों के बीच बेहतर समन्वय एवं विश्वास स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अभियान के दौरान श्रम प्रवर्तन अधिकारी सुप्रिया द्विवेदी, जेपी सिंह, आरएम वर्मा, सीडी ओझा, सन्दीप सिंह, जीतेन्द्र सिंह भदौरिया, महेंद्र सिंह, कौशलेन्द्र सिंह, अमित सिंह, हिमांशु अग्रवाल एवं निरन्कार सिंह ने विभिन्न स्थलों पर आयोजित स्वास्थ्य शिविरों में सहभागिता की। 5196 श्रमिकों के स्वास्थ्य परीक्षण के साथ अभियान ने ह्यस्वस्थ श्रमिकद्वयसशक्त श्रमिक की भावना को मजबूत करने और श्रमिकों के प्रति संवेदनशील एवं कल्याणकारी दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने का संदेश दिया।



मृतक के पिता शफी ने बताया कि कुछ समय पूर्व आरोपियों ने कस्बे के ही एक व्यक्ति पर जानलेवा हमला किया था, जिसे इमरान ने अपनी जान पर खेलकर बचाया था। उस घटना के बाद से आरोपी इमरान से रंजिश रखने लगे थे। परिजनों का आरोप है कि इसी रंजिश के चलते उनके बेटे की योजनाबद्ध तरीके से हत्या की गई है।

वर्ष 2021 के हत्याकांड से जुड़े तार

पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार, वर्ष 2021 में जहांगीरपुर निवासी यूसुफ की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उस मामले में मृतक इमरान भी आरोपी था और जेल जा चुका था। हाल ही में वह जमानत पर बाहर आया था। पुलिस को अंदेशा है कि पुरानी हत्या का बदला लेने की नीयत से ही इस वारदात को अंजाम दिया गया है। दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से खूनी रंजिश चली आ रही थी।

कोतवाली प्रभारी अजय कुमार सिंह ने बताया कि नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमों का गठन कर लगातार दबिश दी जा रही है। आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग पर सपा नेता चौधरी परवीन बांडुखेड़ी नजरबंद



सहारनपुर (शिखर समाचार)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर समाजवादी पार्टी के प्रदेशवापी अभियान के बीच नकुड़ कोतवाली पुलिस ने सपा के राष्ट्रीय महासचिव चौधरी रुद्र सेन के प्रतिनिधि चौधरी परवीन बांडुखेड़ी को उनके आवास पर नजरबंद कर दिया। पुलिस की कार्रवाई के बाद सपा नेता ने इसे राज्य सरकार का अलोकतांत्रिक और संविधान विरोधी कदम बताया। समाजवादी पार्टी की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर दो अक्टूबर से प्रदेशवापी अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पार्टी ने पैदल मार्च निकालकर गांधी पार्क में महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष धरना-प्रदर्शन करने की घोषणा की थी। प्रदर्शन के मद्देनजर नकुड़ कोतवाली पुलिस बांडुखेड़ी गांव पहुंची और चौधरी परवीन बांडुखेड़ी को उनके आवास पर नजरबंद कर दिया। पुलिस की कार्रवाई पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए चौधरी परवीन बांडुखेड़ी ने आरोप लगाया कि प्रदेश की भाग्या सरकार लोकतांत्रिक अधिकारों को दबाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार हर मोर्चे पर विफत रही है और विपक्ष की आवाज को रोकने के लिए पुलिस का सहारा लिया जा रहा है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर केंद्र सरकार के इशारे पर काम करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी कार्यप्रणाली से निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लग रहा है। सपा नेता ने कहा कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करना प्रत्येक राजनीतिक दल और नागरिक का अधिकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विपक्षी नेताओं और कार्यकर्ताओं को प्रदर्शन से पहले ही रोककर उनकी आवाज दबाना चाहती है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए अपना अभियान जारी रखेगी।

मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस ने निकाला विरोध मार्च



बिजनौर (शिखर समाचार)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तथा विपक्ष की रक्षा के लिए संघर्ष जारी गांधी और प्रियंका गांधी के साथ कथित दुर्व्यवहार के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला कार्यालय से विकास भवन तक विरोध मार्च निकाला। मार्च के दौरान कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र, संविधान और निष्पक्ष चुनाव की रक्षा के लिए आवाज बुलंद करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग की। विरोध मार्च का नेतृत्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष हेनरीता राजीव सिंह ने किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी और

प्रियंका गांधी के साथ हुए व्यवहार की कड़ी निंदा की और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि चुनाव व्यवस्था में जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए निष्पक्षता और पारदर्शिता जरूरी है। मार्च में सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी आरंके सिंह, जावेद अंसारी, हुमायूं बेग, गौतम सिसौनिया, अतुल कुमार, काजी आतिफ अली, मिखाबुल हसन, अधिवक्ता विक्रम, मोहम्मद अकबर, हाजी नसीम अंसारी, हाजी अहसान, प्रदीप

ठाकुर, जसराम सिंह, हुकुम सिंह, मास्टर रामपाल, कुणाल गांधी, विश्वमोहन सिंह, हरिराज सिंह, मुकीम अहमद, नदीम जमील, रईस अहमद, मोहम्मद सलीम, मोहम्मद हनीफ, शारिक अली, जाफर हसनैन, अब्दुल समद आजाद, गुरमुख सिंह, जफर मलिक, वसीम अकरम, मोहम्मद इफ्राहीम, शाहबाज अंसारी, कमरुन्निसा, होश्वार सिंह, मोहम्मद इमरान, अनिल त्यागी, दिलेराम सिंह, इमरान सिद्दीकी, महेश कुमार, नरमुद्दीन अंसारी, फारूक पटान, रतिराम सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल रहे।



शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने का काम करती है कुंजल क्रिया

भारत में योग का चलन आज से नहीं बल्कि सदियों से रहा है। योग महज एक शारीरिक व्यायाम नहीं है। बल्कि यह जीवन को सरल और बेहतर बनाने का एक बेजोड़ तरीका है। आज हम आपको योगा की एक ऐसी ही टेक्निक से रूबरू कराएंगे। जो आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को तो बाहर निकालती ही है। साथ ही आपको कई दूररे लाभ भी देती है। दरअसल हम बात कर रहे हैं कुंजल क्रिया के बारे में। यह अन्य योगासन से बहुत भिन्न है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि इस क्रिया में आपको उल्टी करनी होती है। हां शायद यह आपको थोड़ी अजीब लग सकती है। लेकिन कुंजल क्रिया सही मायने में बहुत ज्यादा फायदेमंद है। आइए जानते हैं इस क्रिया के बारे में।

क्या है कुंजल क्रिया

कुंजल क्रिया आपके शरीर से अशुद्धियां बाहर निकालने की एक जबरदस्त टेक्निक है। कुंजल क्रिया के बारे में सबसे पहले हठयोग से संबंधी एक प्रदीपिका ग्रंथ में दिया गया था। इस ग्रंथ में ही इसे शरीर की सफाई करने की तकनीक के रूप में बताया गया है। कुंजल क्रिया न केवल आपके शरीर को साफ करती है बल्कि यह आपके मन को भी नियंत्रित करने में भी सहायता प्रदान करती है। इसके अलावा जर्नल ऑफ आयुर्वेद एंड इंटीग्रेटिव मेडिसिन में इसे लेकर एक शोध भी प्रकाशित किया गया है। इसमें बताया गया है कि उल्टी करने के बाद व्यक्ति को खालीमन महसूस होता है और इससे कई शारीरिक लाभ होते हैं। आइए जानते हैं कैसे की जाती है कुंजल क्रिया।

कैसे होती है कुंजल क्रिया

- इसके लिए आपको कम से कम 6 से 8 गिलास गुनगुने पानी की जरूरत होगी और हर एक लीटर पानी पर एक चम्मच सेंधा नमक या साधारण नमक भी चाहिए होगा।
- अब आपको एक लीटर पानी में एक चम्मच सेंधा नमक मिलाना होगा और कमासन की मुद्रा में बैठना होगा।
- इसके बाद आपको इसी मुद्रा में यह पानी जल्दी से जल्दी पीना होगा और उल्टी करने के लिए थोड़ा आगे झुक कर खड़ा होना होगा।
- जब आपको लगे की पेट खाली हो चुका है तो श्वासन की मुद्रा में 30 मिनट के लिए लेट जाएं।
- इस क्रिया में आपको उल्टी तुरंत आ जाती है। ऐसे में अगर यह क्रिया करें तो विशेषज्ञ की निगरानी में ही करें।

वजन और पाचन के लिए

जब भी आप कुंजल क्रिया करते हैं तो इससे आपके पेट की मांसपेशियां सिकुड़ जाती है और पेट कम हो जाता है। ऐसे में अगर आप फैट या वजन कम करने की कोशिश में लगे हुए हैं तो य क्रिया आपके लिए बहुत फायदेमंद होगी। यह पाचन तंत्र को पूरी तरह स्वस्थ रखने काम काम करती है।

तनाव और चिंता से राहत

जब आप इस क्रिया को करते हैं तो इससे शरीर में रक्त प्रवाह बेहतर हो जाता है और आपके शरीर के हर हिस्से तक ऑक्सीजन पहुंचने लगता है। इससे आपका हार्ट रेट कम हो जाता है और सांस लेना भी आसान हो जाता है। साथ ही यह ब्लड प्रेशर को भी ठीक करता है। ऐसे में कहा जा सकता है कि कुंजल क्रिया के जरिए तनाव और चिंता को कम किया जा सकता है। ध्यान रहे कि यह क्रिया किसी विशेषज्ञ की

या फिर आपकी आयु 16 साल से कम है तो इस आसन को बिल्कुल ना करें।

खांसी और सर्दी से राहत

जब आप कुंजल क्रिया करते हैं तो इससे आपके फेफड़ों की मांसपेशियां मजबूत होती है और इनकी सहन शक्ति बढ़ जाती है। साथ ही इसके जरिए आपके फेफड़े भी साफ हो जाते हैं और आपके लिए सांस लेना आसान हो जाता है। इस तरह यह सर्दी और खांसी के लक्षणों से राहत दिलाती है।



एलईडी और टीएफटी स्क्रीन से निकलने वाली सफेद रोशनी आंखों को तनाव में डालती है। आयुर्वेद के अनुसार, संपूर्ण शरीर की तरह आंख भी तत्वों से संबंधित है। आंख की मांसपेशियां पृथ्वी तत्व द्वारा नियंत्रित होती हैं, जबकि ब्लड वेसल्स अग्नि द्वारा और आंखों का रंग हवा से नियंत्रित होता है।

मोबाइल और लैपटॉप के बढ़ते इस्तेमाल के कारण हमारी आंखों का इस्तेमाल पहले से कहीं ज्यादा हो रहा है। जिससे लोगों में सिरदर्द, जलन और आंखों में तनाव के मामले बढ़े हैं। खासकर, एलईडी और टीएफटी स्क्रीन से निकलने वाली सफेद रोशनी आंखों को तनाव में डालती है। आयुर्वेद के अनुसार, संपूर्ण शरीर की तरह आंख भी तत्वों से संबंधित है। आंख की मांसपेशियां पृथ्वी तत्व द्वारा नियंत्रित होती हैं, जबकि ब्लड वेसल्स अग्नि द्वारा और आंखों का रंग हवा से नियंत्रित होता है। आंखें पित्त दोष का आसन हैं। चूंकि पित्त दोष उम्र के साथ असंतुलित हो जाता है, इसलिए आंखें प्रभावित होती हैं।

सुबह उठकर मुंह में पानी भरें

रोज सुबह उठकर टॉयलेट जाने से पहले या बाद में मुंह में पानी भरें और कुछ सैंकड्स तक होल्ड करें। इस दौरान आपको आंखें बंद होनी चाहिए। अब कुल्ला कर दें और इस प्रक्रिया को दो से 3 बार दोहराएं।

त्रिफला वॉटर का उपयोग करें

त्रिफला वॉटर आई वॉश आंखों के स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। यह न केवल आपके आंखों की रोशनी बढ़ाता है, बल्कि आंखों की चमक में भी सुधार करता है। खासतौर से थकी हुई आंखों को आराम देने का यह बेहतरीन तरीका है।

स्वस्थ आंखों के लिए षट्कर्म करें

आयुर्वेद में शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने, उसे मजबूत बनाने और रोगमुक्त बनाने के लिए 6 प्यूरीफिकेशन टेकनीक



मेंटल हेल्थ एक पुराना विषय रहा है, लेकिन अब कोरोना के बाद यह और ज्यादा घातक हो गया है। अब इसे गंभीरता से लेकर इस पर बात करना जरूरी है। कोरोना ने कई तरह के मानसिक रोगों को जन्म दिया है

आज के दौर में हर शख्स अपनी ज़िंदगी में स्ट्रेस से गुज़रता है। स्ट्रेस को आजकल एक कॉमन परेशानी के रूप में देखा जाता है और यही सबसे बड़ी गलती है। 2020 में आए कोविड 19 ने सोशल और इकोनॉमिक तौर पर काफी बदलाव लाया है। लाखों लोगों ने अपनी ज़िंदगी गंवा दी, यहां

तक की एक दूसरे से मिलना-जुलना भी दूधूर हो गया था। आज जहां 2021 में कोविड 19 को 2 साल हो गए हैं और आज भी मानव जाति इस विपदा से उबरने की कोशिश में है। कई देश आज भी इस वायरस के नए स्ट्रेन से लड़ रहे हैं। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने ये चेतावनी जारी की है कि कोरोनावायरस का मेंटल हेल्थ पर काफी लंबे समय तक असर होता रहेगा। आज लोगों में एंजाइटी, स्ट्रेस, डिप्रेशन जैसी कई समस्या बहुत हद तक बढ़ चुकी हैं। इस पैडैमिक के दौरान मेंटल हेल्थ पर गहरा असर पड़ा है। 2020 में माइसेंसी द्वारा एक सर्वे के आधार पर ठंड के 75 प्रतिशत और एशिया के 33 प्रतिशत एम्प्लॉय में बर्न आउट के लक्षण दिखे हैं। यूरोपियन देशों में भी पैडैमिक फैटिंग के लेवल में बढ़ोतरी हुई है।

ऐसे करें आंखों की देखभाल

के बारे में बताया गया है। इनमें से नेती और त्राटक सूखी आंखों और आंखों के स्वास्थ्य के लिए सबसे अच्छे आयुर्वेदिक उपाय के रूप में काम करते हैं। बता दें कि त्राटक षट्कर्म आंख का व्यायाम है जिसमें किसी भी बिंदु पर आंखों को स्थिर करके निरंतर देखना होता है।

बरतें ये सावधानियां

- आंखों की देखभाल के दौरान कभी भी बहुत तेज गर्म या फिर बर्फ के पानी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।
- अचानक तापमान में हुए परिवर्तन से बचने का प्रयास करें।
- अगर आपका शरीर गर्म हो रहा है या आप पसीने से तर हैं, तो अपने चेहरे और आंखों पर पानी के छीटें मारने से पहले 10 मिनट तक इंतजार करें। जब तक आपकी बांडी सही तापमान में एडजस्ट न हो जाए, छीटें मारने से बचें।

स्वस्थ आंखों के लिए फायदेमंद है अंजन

स्वस्थ आंखों के लिए अंजन का उपयोग बहुत फायदेमंद है। अंजना एक आयुर्वेदिक दवा है, जिसे आंखों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए पलकों के अंदरूनी हिस्से पर लगाते हैं। बता दें कि अंजना जड़ी-बूटियों से बना एक गाढ़ा आईलाइनर है। इसे कोलिरिसम भी कहते हैं। इसका उपयोग आंखों की रोशनी बढ़ाने और आंख से जुड़ी अन्य बीमारियों के लिए किया जाता है। हालांकि, यह काजल की तरह दिखता है, लेकिन इससे काफी अलग है। इसे मिनरल्स और जड़ी-बूटियों को पीसकर पेस्ट के रूप में तैयार किया जाता है। आंखों की रोशनी को बढ़ाने के लिए इनकी देखभाल करना बेहद जरूरी है। उम्मीद है यहां एक्सपर्ट द्वारा बताए गए तरीकों से आपको आंखों की सही देखभाल करने में मदद मिलेगी।

साइलेंट किलर है तनाव, इसे गंभीरता से लेना है बहुत जरूरी

जिन लोगों ने अपनी मेंटल हेल्थ को बहुत खराब रेट दिया है, उनकी मात्रा पैडैमिक आने के बाद तीन गुना बढ़ गई है। ओरेकल और वर्क प्लेस इंटेलिजेंस जैसी कंपनियों द्वारा एक हालिया सर्वे जिसमें 11 देशों के 12000 लोगों ने भाग लिया ये दर्शाता है कि मैनेजमेंट एक्जीक्यूटिव में एम्प्लॉय के बदले ज्यादा मेंटल हेल्थ इश्यूज पाए गए हैं। 53% ने माना की उन्हें मेंटल हेल्थ इश्यूज पैडैमिक के

क्या कहती है रिपोर्ट ?

इस कड़ी में लगभग 39% लोगों को घर से वरुंअली काम करने में दिक्कत आई। वहीं 34% को वर्क कल्चर के ना होने की कमी खली। वहीं 29% लोगों को नई तकनीकों को समझने में दिक्कत का सामना करना पड़ा। जहां एक तरफ कंपनी के सीनियर अधिकारी वर्कप्लेस पर मेंटल हेल्थ और हेल्थी वर्क कल्चर को बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं, वहीं आज भी मेंटल हेल्थ को एक स्टैरियोटाइप के तौर पर देखा जाता है। कंपनी में ओपन कम्युनिकेशन और सपोर्ट की कमी खलती है। कंपनी के लीडर को अपने स्टॉफ को न सिर्फ इंसायर करना चाहिए ताकि वे अपनी बात को खुलकर शेयर कर सकें, बल्कि उन्हें इंसायर भी करना चाहिए। जरूरत पड़ने पर वे कोच या थेरेपिस्ट से मदद भी ले सकें। विशेषज्ञ कहते हैं कि किसी भी तरह की हेल्थ प्रॉब्लम को इग्नोर नहीं करना है, अगर तनाव से संबंधी कोई भी लक्षण नजर आता है तो तत्काल डॉक्टर से मिलना है। इसे हल्के में बिल्कुल नहीं ले सकते।



देश में दिवाली आने वाली है और इस माह में लोगों द्वारा की जाने वाली

आतिशबाजी के कारण वायु प्रदूषण काफी ज्यादा बढ़ जाता है और स्मॉग का रूप ले लेता है। इस तरह के पॉल्यूटिड स्मॉग में धूल और वायु प्रदूषक जैसे नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर डाई आक्साइड, ज्वलनशील कार्बनिक यौगिक आदि हानिकारक मिश्रण रहते हैं। जो खांसी, गले में खराश, छाती में जलन, रिकन डिजीज, फेफड़ों के संक्रमण, आंख व नाक में एलर्जी के अलावा इम्यून सिस्टम को भी कमजोर बनाते हैं। हाल ही में वायु प्रदूषण पर एक शोध आया है जिसमें चौकाने वाले खुलासे हुए हैं। नए शोध के अनुसार, वायु प्रदूषण और सड़क यातायात के शोर के संपर्क में आने से हृदय गति रुकने का खतरा बढ़ सकता है। शोध का रिजल्ट अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के एक ओपन-एक्सेस जर्नल 'जर्नल ऑफ द अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन' में प्रकाशित किया गया था। इसलिए आपको वायु प्रदूषण से खुद को सेफ रखने की बहुत ज्यादा जरूरत है।

वायु प्रदूषण पर शोध

नए रिसर्च के विश्लेषण में शोधकर्ताओं ने 15 से 20 साल के पीरियड में लॉन्ग टर्म एनवायरनमेंट इंफैक्ट को लेकर हर्ट फेलियर की जांच की। डेनमार्क में महिला नर्सों पर हुए शोध में एयर पॉल्यूशन और रोड ट्रैफिक हर्ट फेलियर की मुख्य वजह पाया गया। बता दें कि शोध में जिन महिलाओं को लिया गया था उनकी उम्र 44 वर्ष और उससे अधिक थी। प्रतिभागियों को 1993 और 1999 में भर्ती किया गया था और जब उन्होंने नामांकन किया, तो हर महिला ने बांडी मास इंडेक्स, लाइफस्टाइल फैक्टर जैसे धूम्रपान, शराब का सेवन, शारीरिक गतिविधि और आहार संबंधी आदतों के अलावा अपनी मेडिकल कंडीशन के बारे में भी पूरी जानकारी दी थी। इन सभी प्रतिभागियों को डेनियन नेशनल पेशेंट रजिस्टर से लिंक करने के 20 साल के बाद हार्ट फेलियर के बारे में पता चला जिनका बाद में इलाज भी हुआ और इसके रिकॉर्ड भी हैं।

दिल के लिए ज्यादा

खतरनाक है वायु प्रदूषण

डेनमार्क स्थिति कोपेहेगन यूनिवर्सिटी के एनवायरनमेंट डिपार्टमेंट से जुड़े असिस्टेंट प्रोफेसर और शोध को लीड करने वाले ऑथर ने कहा कि स्टडी में पाया गया है कि तीन वर्षों में रोड ट्रैफिक का शोर 12 फीसदी हार्ट फेलियर के

वायु प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से पड़ता है सेहत पर बुरा असर

वायु प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से हमारी सेहत पर बहुत बुरा असर पड़ता है। लेकिन कई दफा हम इसे नजरअंदाज करते हैं। शोध में पता चला है कि ये दोनों पर्यावरण हार्ट फेलियर का भी एक कारण हैं।

खतरे का कारण बना। उन्होंने आगे कहा, हम आश्चर्यचकित थे कि कैसे दो पर्यावरणीय कारक – वायु प्रदूषण और सड़क यातायात शोर ने एक साथ हृदय गति रुकने का जोखिम बढ़ा दिया है। शोध में पता चला है कि रोड ट्रैफिक की तुलना में एयर पॉल्यूशन हर्ट फेलियर के खतरे की मजबूत वजह बना। हालांकि, इन हर्ट फेलियर वाली 30 प्रतिशत नर्सों में हाई ब्लड प्रेशर की भी समस्या थी।

सांस लेने में तकलीफ

वायु प्रदूषण की वजह से बुजुर्ग लोगों को भी कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। एयर पॉल्यूशन के कारण बुजुर्गों के शरीर के कई अंग धीमी गति से कार्य करते हैं और इसी तरह का हाल फेफड़ों का रहता है। क्योंकि लंग्स प्रदूषित हवा को सही तरीके से फिल्टर नहीं कर पाते हैं जिस वजह से उन्हें सांस लेने में दिक्कत आती है।

आंखों में परेशानी

वायु प्रदूषण के चलते कई बार बच्चों से लेकर बुजुर्गों की आंखों में भी दिक्कतें आती हैं। दूधिक हवा के कण हमारी आंखों में एलर्जी पैदा करने लगते हैं जिससे कई बार हमें आस-पास की चीजें साफ नहीं दिखती हैं। साथ ही धूल मिट्टी से आंखों में खुजली भी होती है।

सेहत संबंधी दिक्कतें

बुजुर्गों का इम्यून सिस्टम बहुत कमजोर होता है जिसकी वजह से उनको वायू प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से उनका दम घुटने लगता है। वे इस वातावरण को आसानी से हैंडल नहीं कर पाते। इसके चलते कई दफा, छींक आना, छाती में जलन, रिकन डिजीज, फेफड़ों के संक्रमण और गले में खराश जैसी कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

जान भी ले सकती है लौकी

लौकी का सेवन करना सेहत के लिए बहुत अच्छा है। इसे कई प्रकार से खा सकते हैं। सब्जी, जूस, खीर, कलाकंद, परांटे सहित अन्य तरीकों से इसका सेवन किया जा सकता है। इसका सेवन करने से कब्ज और गैस की समस्या में राहत मिलती है। इसमें विटामिन ए, विटामिन सी, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम,

कड़वी लौकी का सेवन करने से आपकी जान पर बात बन सकती

नौबत आ जाती है। इसलिए भूलकर भी कड़वी लौकी का सेवन नहीं करें। लौकी का जूस बनाने से पहले इसे जरूर टेस्ट करें। अगर वह कड़वी लगती है तो इसका सेवन नहीं करें। कड़वी विषैली लौकी का सेवन करने के नुकसान- बेचैनी, घबराहट, ब्लड प्रेशर की समस्या, उल्टी होने लगती है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। कई बार अंगों पर भी इसका असर पड़ सकता है। ऐसे में अंग फैल भी हो सकते हैं। इसलिए भूलकर भी लौकी को टेस्ट किए बिना इसका प्रयोग नहीं करें। कड़वी लौकी की पहचान उसे चखकर की जा सकती है। बता दें कि इसे पकाने पर भी कड़वापन खत्म नहीं होगा। कड़वी लगने

डिफेंस सिस्टम विकसित कर लेती है। जिससे उसमें केमिकल विकसित हो जाता है। तो कई बार तापमान कम ज्यादा होने पर भी यह बदलाव होने लगते हैं। इतना ही नहीं पर्याप्त पानी नहीं मिलने पर भी ऐसा हो सकता है।



नए डायरेक्टर के साथ काम करने पर बोले आयुष्मान खुराना

आयुष्मान खुराना इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'उड़ता तीर' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में वह एक पाकिस्तानी जासूस बिलाल अहमद के किरदार में नजर आएंगे, जिसे अपनी यादशत खोने के बाद यकीन होने लगता है कि वह भारतीय है। फिल्म को लेकर उत्साहित आयुष्मान ने कहा कि वह किसी फिल्म को साइन करते समय यह नहीं देखते कि डायरेक्टर पहली फिल्म बना रहा है या दसवीं। उनके लिए सबसे ज्यादा मायने रखती है कहानी और उसे लेकर फिल्ममेकर का विजन।

बता दें कि आयुष्मान अपने करियर में लगातार ऐसी फिल्मों का हिस्सा बने हैं, जिनमें एंटरटेनमेंट के साथ अलग और मजबूत कहानी भी हो। 'दम लगा के हईशा', 'शुभ मंगल सावधान', 'झीम गर्ल', 'शुभ मंगल ज्यादा सावधान' और 'डॉक्टर जी' जैसी फिल्मों में काम करने के बाद अब वह 'उड़ता तीर' में राइटर आकाश ए. कौशिक के साथ नजर आएंगे। नए डायरेक्टर के साथ काम करने को लेकर आयुष्मान ने कहा, 'मेरे लिए स्क्रिप्ट हमेशा सबसे पहले आती है। मैं यह नहीं देखता कि कोई फिल्ममेकर अपनी पहली फिल्म डायरेक्टर कर रहा है या दसवीं। मैं यह देखता हूँ कि उनके पास ऐसी कहानी और विजन है या नहीं, जो मुझे आकर्षित कर सके। मेरे करियर में सबसे

यादगार अनुभव नए और अलग तरह के लोगों के साथ काम करने से आए हैं।' उन्होंने कहा, 'नए फिल्ममेकर अपने साथ एक अलग तरह की भूख, ताजगी और हिम्मत लेकर आते हैं। उनमें जानी-पहचानी कहानियों को अलग नजरिए से देखने का साहस होता है। मैंने हमेशा माना है कि अगर किसी कहानी के पीछे विश्वास मजबूत है, तो उसे सपोर्ट

किया जाना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'हर नया डायरेक्टर सेट पर एक अलग एनर्जी लेकर आता है। 'उड़ता तीर' में मुझे सिर्फ इसका जॉनर ही अपनी तरफ नहीं खींच रहा था, बल्कि आकाश ने जो दुनिया बनाई थी, वह भी मुझे बहुत पसंद आई। ऐसी स्क्रिप्ट मिलना आसान नहीं है, जो भ्रम, मजेदार, इमोशनल जैसी भावनाओं को एक साथ लेकर आए। साथ ही,

जो किसी बड़े विचार से जुड़ी हो।' आयुष्मान ने कहा, 'मैं आकाश के विजन में पूरी तरह उतरना चाहता था और अपने किरदार को खुद को एक ऐसी जगह ले जाने देना चाहता था, जिसकी मैंने पहले से उम्मीद नहीं की थी। फिल्म की यही अलग दुनिया और किरदार मुझे इस प्रोजेक्ट की तरफ लेकर आई।'।

'दृश्यम 3' से डरे आयुष्मान खुराना, टली उड़ता तीर की रिलीज डेट

अपकमिंग फिल्म 'उड़ता तीर' अपने ट्रेलर और चल रहे प्रमोशन से काफी चर्चा बटोर रही है। फिल्म को लेकर अच्छा रिसर्पोन्स मिल रहा है। ऐसे में मेकर्स ने बड़ा फैसला लेते हुए इसकी रिलीज डेट बढ़ा दी है। आइए जानते हैं इसकी क्या वजह है? आपको बता दें कि अजय देवगन की फिल्म 'दृश्यम 3' ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत की है। अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह फिल्म अगले कुछ दिनों तक अच्छा कलेक्शन करेगी। ऐसे में

'उड़ता तीर' के मेकर्स ने समझदारी भरा फैसला लेते हुए फिल्म की रिलीज की तारीख 9 अक्टूबर से आगे बढ़ा दी है। अब यह फिल्म 23 अक्टूबर को रिलीज होगी। फिल्म 'दृश्यम 3' के अलावा आज सिनेमाघरों में 'प्रेम कीटाणु' भी रिलीज हुई है। 16 अक्टूबर को यामी गौतम की फिल्म 'नई नवेली' रिलीज होने वाली है। वहीं 16 अक्टूबर को राज कुमार राव की 'प्रहार' भी रिलीज होने वाली है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक

मेकर्स ने अक्टूबर के महीने में रिलीज होने वाली फिल्मों का आकलन किया। उन्होंने इस भीड़ से बचने के लिए और 'उड़ता तीर' को ज्यादा स्क्रीन देने के लिए यह बड़ा फैसला लिया। फिल्म में आयुष्मान खुराना मुख्य भूमिका में हैं, साथ ही सारा अली खान, गुलशन ग्रोवर, मुकुल देव और राम कपूर भी हैं। फिल्म अब 23 अक्टूबर के वीकेंड पर रिलीज होगी। उम्मीद है कि सिनेमाघरों में रिलीज से पहले इसका और प्रमोशन किया जाए।



प्रियंका चाहर चौधरी ने अंकित गुप्ता के साथ अपने ब्रेकअप पर बात की

टीवी अभिनेत्री प्रियंका चाहर चौधरी इन दिनों रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल 2' में नजर आ रही हैं। इन सबके बीच अब अभिनेत्री अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में आ गई हैं। दरअसल, कई वर्षों से ऐसी खबरें आती रही कि वह 'उड़ारिया' के को-स्टार अंकित गुप्ता को डेट कर रही थीं, लेकिन पिछले साल दोनों का ब्रेकअप हो गया। अब बालाजी टेलीफिल्म्स के पॉडकास्ट 'ऑनैस्टली व्हाई नॉट' में प्रियंका ने पहली बार अंकित के साथ अपने ब्रेकअप पर खुलकर बात की। उन्होंने यह भी बताया कि वह अंकित से शादी करना चाहेंगी।

उन्होंने पहली बार अपने ब्रेकअप का जिक्र करते हुए कहा, 'यह उसके और मेरे बीच की बात है। कई बार किसी रिश्ते का अच्छा होना सिर्फ इस बात पर निर्भर नहीं करता कि दो लोग साथ हैं या नहीं।' बातचीत के दौरान होस्ट ने प्रियंका से पूछा कि अगर अंकित सही लोगों के साथ नहीं हैं, तो उन्हें सही दिशा कौन दिखा सकता है। इस पर 'नागिन 7' की एक्ट्रेस ने कहा, 'कोई भी किसी दूसरे को दिशा नहीं दिखा सकता। हम दोनों काफी समझदार हैं, हमने अपनी जिंदगी खुद बनाई और आगे भी खुद ही बनाएंगे। मैं उनकी जिंदगी में क्या चल रहा है, उसमें नहीं जाना चाहती। हम सभी बड़े हो चुके हैं और जिंदगी देख चुके हैं, इसलिए हमें पता है कि क्या करना है। एक-दूसरे के साथ रहकर उन्हें गाइड करना, मुझे नहीं लगता कि इससे कुछ होगा। वह बहुत अच्छे इंसान हैं।'।

ब्रेकअप पर बोलीं प्रियंका

जब प्रियंका से पूछा गया कि क्या उन्हें अंकित से ब्रेकअप करने का अफसोस है और उनके मुताबिक उनकी जिंदगी में कौन सी लड़की उनकी जगह ले सकती है, तो अभिनेत्री ने कहा, 'मुझे अपनी जिंदगी में किसी भी चीज का अफसोस नहीं है। मैंने जो भी फैसला लिया, वह ठीक है। और मैं कौन होती हूँ यह तय करने वाली कि उनकी जिंदगी में कौन सी लड़की मेरी जगह ले सकती है? एक्स को एक्स ही रहने दो।'।



कपिल कौस्तुभ शर्मा की फिल्म ज़िंदगी फिर भी खूबसूरत है के साथ तनिशा मुखर्जी की पर्दे पर वापसी

मुंबई पाँच साल बाद तनिशा मुखर्जी बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं और इस बार उनके साथ है फिल्ममेकर कपिल कौस्तुभ शर्मा की कहानी जिंदगी फिर भी खूबसूरत है। मार्गाओ फाइल्स की सफलता के बाद कपिल अब एक ऐसी कहानी लेकर आ रहे हैं, जो पूरी तरह जिंदगी के छोटे-बड़े पलों से जुड़ी है और कई दशकों का सफर तय करती है। यह फिल्म दिखाती है कि वक्त के साथ इंसान, रिश्ते और जज्बात किस तरह बदलते जाते हैं।

मुंबई की पारसी कम्युनिटी की पुष्टभूमि पर बनी यह फिल्म 1990 के दशक से लेकर 2025 तक का सफर तय करती है और इसमें रोमांस, ह्यूमर और इंसानी जज्बात का खूबसूरत मेल देखने को मिलेगा। फिल्म के सेंटर में हैं तनिशा मुखर्जी, जिनका किरदार जिंदगी के अलग-अलग पड़ावों से गुजरता है। कपिल के लिए तनिशा को कार्ट करना सिर्फ किसी जाने-पहचाने चेहरे को दोबारा पर्दे पर लाने की बात नहीं थी, बल्कि ऐसे एक्टर की तलाश थी, जो अलग-अलग उम्र के पड़ावों में इस किरदार को पूरी इमानदारी के साथ जी सके। तनिशा की वापसी और फिल्म के बारे में बात करते हुए डायरेक्टर कपिल कौस्तुभ शर्मा कहते हैं, तनिशा एक ऐसी एक्टर हैं जिनमें एक खास तरह की इमोशनल क्वालिटी है, जो इस किरदार के लिए बहुत जरूरी थी। कहानी जिंदगी के अलग-अलग पड़ावों से होकर गुजरती है और मैं चाहता था कि कोई ऐसा कलाकार हो, जो इस सफर में ईमानदारी और गहराई ला सके। जिंदगी फिर भी खूबसूरत है मेरे लिए एक बहुत पर्सनल फिल्म है। यह रिश्तों, बदलते वक्त और आम जिंदगी की खूबसूरती के बारे में है और मुझे लगता है कि तनिशा ने इस किरदार में एक बेहद खास संवेदनशीलता लाई है। फिल्म में कपिल की कौशिश सिर्फ कहानी सुनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि असली माहौल और असली लोकेशन को पर्दे पर उतारने की भी है। फिल्म के कई हिस्सों की शूटिंग साउथ मुंबई और दादर पारसी कॉलोनी के ऑथेंटिक पारसी घरों में की गई है। फिल्म को डेवलप करते वक्त कपिल ने पारसी की कमीब से काम किया, ताकि फिल्म में उनकी संस्कृति, तौर-तरीके और बोलचाल का अंदाज पूरी तरह असली महसूस हो। डिटेलिंग पर यह खास ध्यान कपिल के फिल्ममेकिंग अप्रोच का हिस्सा रहा है। अब तुम्हारे हवाले वनन साथियों से अपने डेब्यू से लेकर डन्नो वाय ना जाने क्यों, डन्नो वाय 2... लाइफ इज अ मोमेंट और लव इज लव जैसी फिल्मों तक, कपिल ने अलग-अलग विषयों और फॉर्मेट्स में कहानियाँ कही हैं। लेकिन उनकी कहानियों में इंसानी रिश्ते हमेशा एक हिस्सा रहे हैं। जिंदगी फिर भी खूबसूरत है में कपिल ने कई जिम्मेदारियाँ अपने कंधों पर ली हैं। फिल्म को लिखने और डायरेक्ट करने के साथ-साथ वह इसे प्रोड्यूस भी कर रहे हैं और इसमें एक्टिंग भी कर रहे हैं। वह फिल्म में एक पारसी किरदार निभा रहे हैं, जिसका सफर अलग-अलग उम्र के पड़ावों से होकर गुजरता है। इसी वजह से कहानी के बड़े उम्र वाले हिस्सों के लिए उन्हें फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन से भी गुजरना पड़ा है।

बिग बॉस-20 में इमोशनल हुई माही विज

रियलिटी शो 'बिग बॉस-20' के घर में कंटेस्टेंट माही विज और मेरी कॉम के बीच किचन की राजनीति ने घर का माहौल गरमा दिया है। हाल ही के एपिसोड में माही विज ने अमन गांधी से बात करते हुए यह मुद्दा उठाया कि मेरी कॉम किचन में पक्षपात करती हैं और अपने दोस्तों को ज्यादा खाना देती हैं। इस मुद्दे पर बात करते हुए माही विज काफी इमोशनल नजर आईं। उन्होंने साफ कहा कि उनकी मेरी कॉम से कोई निजी दुश्मनी नहीं है, बस किचन में जो पक्षपात हो रहा है, उससे उन्हें तकलीफ हुई है। अमन से बात करते हुए माही विज ने इस बात को अपने बचपन की यादों से जोड़ा और बताया कि लोअर मिडिल क्लास परिवार से आने की वजह से उन्होंने ऐसी घटनाओं को अलग तरीके से महसूस किया है। उन्होंने कहा, 'मुझे मेरी कॉम से कोई परेशानी नहीं है लेकिन जिस तरह से वह किचन में पक्षपात करती है, वह अच्छा नहीं लगता है और मुझे अपने बचपन की याद आने लगती है।'। माही ने किचन में हो रहे भेदभाव और राजनीति को लेकर अपनी परेशानी बताते हुए याद किया कि कैसे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति की वजह से उन्हें बचपन में सामाजिक मौकों पर असहज महसूस होता था। उन्होंने कहा कि बचपन के उस दुखद अनुभव के बावजूद, आज भी वह उस रिश्तेदार के बच्चों के साथ अच्छा व्यवहार रखती हैं। उन्होंने कहा, 'मैं लोअर मिडिल क्लास फैमिली से हूँ, हम बचपन में कभी रेस्टोरेंट नहीं गए थे और बस रिश्तेदारों के साथ ही गए थे। एक बार मेरी बहन ने उनसे कहा कि मुझे कॉर्न सूप पीना है, तो उन्होंने उससे कहा था कि तेरा बाप दे रहा है पैसे? और आज भी मैं उनके बच्चों के साथ अच्छे से पेश आती हूँ और आज उन सबमें मैं सबसे ज्यादा कामयाब हूँ।'। 'बिग बॉस 20' में अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े 16 सेलिब्रिटी कंटेस्टेंट्स को घर में लाया गया है। शो में एमसी मेरी कॉम, कनिका मान, माही विज, कुशल तंवर, अमन गांधी, ईशा रिखी, अरिश्फा खान, काजी तौकीर, आसिफ खान, आम्रपाली दुबे, रिति तिवारी, उदित सिंह, तन्मय सिंह उर्फ स्काउट ओपी, रोहंद खान, यंग डीएसए और लव गिल जैसे नाम शामिल हैं।



जनता की आवाज बन सवाल पूछने निकलीं परिणीति चोपड़ा

परिणीति चोपड़ा इन दिनों अपनी हालिया रिलीज वेब सीरीज 'शक-ट्रस्ट नो वन' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच उनकी आगामी फिल्म 'रिपोर्टिंग लाइव' की भी खूब चर्चा है और आज शनिवार को इसका ट्रेलर जारी कर दिया गया है। अभिनेत्री इस बार खनन माफियाओं का पर्दाफाश करने निकली हैं। मगर, मंजिल आसान नहीं है। ट्रेलर की शुरुआत में परिणीति चोपड़ा को दिखाया गया है। पत्रकार के रूप में वे एक अधिकारी का साक्षात्कार करने पहुंची हैं। एक दुर्घटना का जिक्र करती हैं। अधिकारी लापरवाही से कहता है, 'पुराना पुल था। दुर्घटना हो गई। आप रिपोर्टर एक ही चीज को कितनी बार रमाइंगें।'। दूसरा सवाल होता है, इस वक्त आपके जिले में अवैध रेत खनन की क्या स्थिति है? यह सुन अधिकारी चौंक जाता है और कहता है, 'अवैध खनन को रोकने के लिए कानून बनाया है। कोई सवाल ही नहीं है।'। परिणीति चोपड़ा एक खोजी पत्रकार के रूप में नजर आई हैं। वे अपनी इन्वेस्टिगेशन पर निकलती

हैं। मगर, माफियाओं का खोफ है। रिपोर्टिंग के दौरान उन्हें सतर्क किया जाता है कि कैमरा दिख गया तो मारे जाएंगे। वे चौंकती हैं। रेत के लिए? तब उन्हें बताया जाता है कि 'यह ब्राउन गोल्ड है मेडम। इसे मामूली मत समझिए।'। धीरे-धीरे अवैध रेत खनन और माफियाओं की मनमानी को लेकर और परतें खुलती हैं।

कब रिलीज होगी 'रिपोर्टिंग लाइव'

खोजी पत्रकारिता के दौरान खोफ भी है और खतरें भी। मगर, इरादे बुलंद हैं। परिणीति बेखौफ होकर निकल जाती हैं। परिवार से कहती हैं, 'इस बार हार गई तो हमेशा के लिए हार जाऊंगी।'। चुनौती कम नहीं होती। क्या परिणीति माफियाओं का पर्दाफाश कर पाएंगी या हार जाएंगी? इसका खुलासा फिल्म में होगा। फिलहाल ट्रेलर काफी दिलचस्प है। यह फिल्म 09 अक्टूबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

हॉरर-कॉमेडी से डेब्यू करेंगे यशवर्धन आहूजा

गोविंदा के बेटे यशवर्धन आहूजा जल्द ही बतौर अभिनेता हिंदी सिनेमा में अपनी पारी शुरू करने जा रहे हैं। उनकी पहली फिल्म ओरिजिनल हॉरर-कॉमेडी है, जिसे साजिद खान करीब एक दशक बाद निर्देशित कर रहे हैं। फिल्म में हॉरर और कॉमेडी के साथ फैमिली ड्रामा भी कहानी का हिस्सा है। फिल्म का निर्माण अमर बुटाला कर रहे हैं और बालाजी इयंके स्टूडियो पार्टनर हैं। फिल्म की सेंटिंग भी इसके जॉनर की तरह अलग है। कहानी किसी वास्तविक शहर या गांव की लोककथा पर आधारित नहीं है, बल्कि एक काल्पनिक छोटे गांव में

घटती है। यहां किसी वास्तविक जगह से जुड़ी मान्यता, किंवदंती या स्थानीय हॉरर स्टोरी को आधार नहीं बनाया गया है। इस लिहाज से फिल्म का सिनेमाई संसार पूरी तरह फिक्शनल है। हॉरर को किसी खास वास्तविक जगह से जोड़ने के बजाय कहानी के किरदारों और उनके पारिवारिक हालात से पैदा किया गया है। इसलिए इसे पारंपरिक लोककथा आधारित हॉरर के बजाय फैमिली-सिचुएशनल हॉरर-कॉमेडी के तौर पर देखा जा सकता है। यशवर्धन फिल्म में एक नौकरपेशा युवक की भूमिका निभा रहे हैं। उसकी जिंदगी की एक बड़ी समस्या

शादी है। शादी नहीं हो पाने की वजह से वह निजी और पारिवारिक दबाव से गुजर रहा है। यही स्थिति कहानी में कॉमेडी और फैमिली ड्रामा की जमीन तैयार करती है। इसके बाद कहानी किस तरह हॉरर की तरफ बढ़ती है, यह फिल्म का सस्पेंस है। साजिद खान की यह फिल्म उनके निर्देशन करियर के लिहाज से कमबेक प्रोजेक्ट है। 'हे बेबी' और 'हाउसफुल' जैसी फिल्मों से कॉमेडी जॉनर में पहचान बनाने वाले साजिद इस बार सिर्फ कॉमेडी पर निर्भर नहीं हैं। उन्होंने हॉरर, कॉमेडी और फैमिली ड्रामा को एक ही कहानी में पिरोया है।



संक्षिप्त

समाचार

रुसी राष्ट्रपति पुतिन से बहुत जल्द होगी बात, रूस-यूक्रेन युद्ध पर गहरी चर्चा जारी : राष्ट्रपति ट्रंप

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि रुसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ उनकी बातचीत बहुत जल्द होने वाली है। उन्होंने संकेत दिया कि वाशिंगटन इस पर जल्द ही कुछ और जानकारी दे सकता है, क्योंकि अभी बहुत गहरी चर्चा चल रही है। ट्रंप ने मरीन वन से उतरने के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान इस बातचीत की योजना के बारे में बताया। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने पुतिन से बात की है और अमेरिका का अगला कदम क्या होगा, तो ट्रंप ने कहा, ‘मेरी एक कॉल तय है।’ जब पूछा गया कि बातचीत कब होगी, तो ट्रंप ने जवाब दिया, ‘बहुत जल्द। एक रिपोर्टर ने फिर पूछा कि क्या यह कॉल इसी हफ्ते होगी और अमेरिकी खुफिया एजेंसियां रूस में हो रहे घटनाक्रमों के बारे में क्या कह रही हैं। इस पर ट्रंप ने कहा, ‘अभी तक, हम बहुत गहरी चर्चा में हैं। हम शायद कल इसके बारे में रिपोर्ट कर पाएंगे।’ ट्रंप ने कहा है कि वह रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करना चाहते हैं। सोमवार को मैरीलैंड के स्प्रीरो पॉइंट में अलग से बात करते हुए उन्होंने माना कि यह संघर्ष शुरू में जितना सोचा था, उससे ज्यादा मुश्किल साबित हुआ है। ट्रंप ने कहा, ‘मैंने आठ युद्ध खत्म किए। हमने अभी तक रू-यूक्रेन युद्ध को खत्म नहीं किया है। मैं उस पर काम कर रहा हूं। मुझे लगा था कि वह मेरे लिए सबसे आसान होगा, लेकिन वह भी बहुत जल्द होने वाला है।’ ट्रंप ने कहा, ‘उस जंग में बहुत सारे लोग मारे जा रहे हैं, ये बेहद दुखद है। जो कुछ हो रहा है वो ठीक नहीं है, लेकिन यकीन मानिए, भले ही ऐसा न लग रहा हो, लेकिन हम इसके खत्म होने के करीब पहुंच रहे हैं।’

इजराइल के लिए फिर से उड़ान शुरू करने की कोशिश में फ्लाईदुबई, मिला झटका

दुबई , एजेंसी। फ्लाईदुबई के विमान में हुई घटना ने पूरी दुनिया को झकझोर कर दिया है, कट्टरपंथी सोच वाले ओमानी को-पायलट हम्माम अल-हम्मामी ने कैसे विमान को तबाह करने की साजिश रची थी, इससे हर कोई हेरान है. इस बीच खबर है है कि फ्लाईदुबई ने इजराइल के लिए अपनी हवाई उड़ानें फिर से शुरू करने की मंजूरी मांगी है. क्योंकि 30 सितंबर की घटना की जांच अब अंतिम चरण में है. हालांकि इसे नमंजूर कर दिया गया है. रिपोर्ट के मुताबिकफ्लाईदुबई ने इजराइल के लिए उड़ानें फिर से शुरू करने की मंजूरी मांगी है. फ्लाईदुबई का कहना है कि विमान में हुई घटना की जांच जांच पूरी हो रही है, ऐसे में उसे फिर से उड़ानें फिर से शुरू करने दिया जाए. हालांकि इजराइल की परिवहन मंत्री मिरी रेगेव ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए अभी इस अनुरोध को अस्वीकार कर दिया है. चैनल 13 की रिपोर्ट के अनुसार, फ्लाईदुबई ने यह अनुरोध उसके एक विमान के को-पायलट द्वारा आतंकी हमला करने की कोशिश के एक हफ्ते बाद किया गया है. एयरलाइन का कहना है कि हमले की जांच पूरी हो रही है और कई कर्मचारियों को नौकरी से निराला दिया गया है. रिपोर्ट में कहा गया है कि इजराइल के ट्रांसपोर्ट मिनिस्ट्री के अधिकारियों को भी अगले हफ्ते दुबई का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया गया है।

‘न तेल, न इकोनॉमी... कुछ नहीं बचा, ईरान बर्बाद हो गया’, डोनाल्ड ट्रंप का दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दावा है कि ईरान बुरी तरह से बर्बाद हो चुका है। उन्होंने व्हाइट के बाहर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि ईरान की अर्थव्यवस्था बेहद खराब स्थिति में है और वहां महंगाई करीब 300 प्रतिशत तक पहुंच गई है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के तेल मंत्री ने इस्तीफा दे दिया। ट्रंप के मुताबिक ईरान के पास न अर्थव्यस्था बची है और न ही तेल। वहीं उन्होंने अमेरिका की अर्थव्यवस्था को बेहद मजबूत बताया और कि इसकी वजह डॉलर है। उन्होंने कहा कि मजबूत डॉलर कई मायनों में फायदेमंद है। व्हाइट हाउस के बाहर पत्रकारों से बातचीत में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान की अर्थव्यवस्था खत्म हो चुकी है। महंगाई चरम पर है। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान में महंगाई लगभग 300 प्रतिशत है। उनके पास न तो तेल बचा है और न अर्थव्यस्था बची है। उनके तेल मंत्री ने हाल में इस्तीफा दे दिया। बता दें कि ईरान के तेल मंत्री मोहसिन पाकनेजाद ने 4 अक्टूबर को इस्तीफा दिया था, जिसे राष्ट्रपति मसूद पेजेशियन ने स्वीकार कर लिया। नेशनल इरानियन ऑयल कंपनी के सीईओ हामिद बोवाई को अस्थायी तेल मंत्री नियुक्त किया गया है।

फ्रांस में शिक्षा फंडिंग को लेकर सड़कों पर उतरे लोग: पुलिस ने छोड़ी आंसू गैस; बवाल की वजह क्या?

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में स्कूलों के लिए ज्यादा फंड की मांग को लेकर छात्रों का आंदोलन मंगलवार को देशव्यापी प्रदर्शन में बदल गया। सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, पूरे देश में 2.66 लाख छात्रों ने प्रदर्शन किया, जिनमें अकेले पेरिस में 56 हजार लोग शामिल थे। छात्रों ने कई हाईस्कूलों की नाकेबंदी की, जबकि मार्सेई, स्ट्रासबर्ग और दूसरे शहरों में बड़ी संख्या में लोग झंडे और पोस्टर लेकर सड़कों पर उतरे। यह आंदोलन सिबैरब के मध्य में पेरिस क्षेत्र के एक हाईस्कूल से शुरू हुआ था। अब यह राष्ट्रपति इमैयुएल मैक्रों के कार्यकाल में हुए कई बड़े प्रदर्शनों के बीच एक नए देशव्यापी

आंदोलन के रूप में सामने आया है। प्रदर्शन में शामिल लीआ मोनिमार्ट ने कहा कि सरकार को छात्रों की बात सुनी चाहिए, क्योंकि वे 17 साल के हैं और अपने मुद्दों को समझते हैं।

पुलिस ने आंसू गैस क्यों छोड़ी : ज्यादातर प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे, लेकिन पेरिस में मार्च खत्म होने के बाद एक चौक पर प्रदर्शनकारियों के छोटे समूहों और दंगा नियंत्रण पुलिस के बीच झड़प हो गई। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस का इस्तेमाल किया। गृह मंत्रालय के मुताबिक, मंगलवार को करीब 500 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस की कार्रवाई को लेकर छात्रों, अभिभावकों और



शिक्षकों में नाराजगी बड़ रही है और कुछ छात्र संगठनों ने गुरुवार को फिर प्रदर्शन करने का आह्वान किया है। गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने पुलिस की कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि लगभग सभी मामलों में प्रतिक्रिया अनुपातिक थी और कुछ प्रदर्शन दंगों में बदल गए थे। प्रधानमंत्री सेबास्टियन लेकोर्नू ने छात्रों की चिंताओं को सुनने और समाधान निकालने की बात कही। संसद में प्रदर्शन को लेकर सवालों के जवाब में उन्होंने



स्कूलों को प्रभावित करने वाली ‘अत्यधिक हिंसा’ की निंदा की और पुलिस पर नस्लभेद के आरोपों को झूठ बताया।**छात्रों और अभिभावकों में गुस्सा क्यों :** दो हफ्ते से ज्यादा समय से चल रहे कक्षा बहिष्कार और स्कूलों की नाकेबंदी के साथ पुलिस की कार्रवाई भी आंदोलन का बड़ा मुद्दा बन गई है। खबर के मुताबिक, अब तक 6,500 से ज्यादा गिरफ्तारियां हो चुकी हैं और इनमें ज्यादातर नाबालिग हैं। पुलिस

के दंगा नियंत्रण हथियारों से गंभीर चोटें लगने के आरोपों के बीच सोमवार को एक घटना में 15 साल के एक लड़के का हाथ चला गया। गृह मंत्री नुनेज ने बताया कि 715 पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। विश्वविद्यालय के छात्र फेलिक्स बार्नी ने पुलिस की कार्रवाई को अनुपातहीन बताया और कहा कि नाबालिगों के साथ ऐसा व्यवहार सख्त से परे है। वामपंथी फ्रांस अनबाउंड पार्टी के सांसद ऑरिलियन ले कोक ने भी पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए लाठी, खर की गोलियों और आंसू गैस के इस्तेमाल का जिक्र किया। आंदोलन को फ्रांस में व्यापक असंतोष का समर्थन मिल रहा है। छात्रों की शिक्षा से जुड़ी शिकायतों

के अलावा महंगाई, सार्वजनिक खर्च में कटौती, बढ़ती गरीबी और संपत्ति की असमनता को लेकर भी नाराजगी है। पेरिस के 20वें जिले के हेलेन बुशे हाईस्कूल में प्रदर्शनकारियों ने कुड़ेदान और साइकिलें सड़क पर गिराकर अस्थायी बैरिकेड बना दिए। देशभर के सैकड़ों अन्य स्कूलों की तरह यह स्कूल भी बंद रहा। मंगलवार को 891 स्कूलों में पढ़ाई पूरी या आंशिक रूप से बाधित रही। अधिकारियों ने पिछले सप्ताह कई स्कूलों को बंद करवा खुश किया था, जिससे प्रदर्शन के दौरान स्कूलों को हो रहे नुकसान और छात्रों, कर्मचारियों तथा पुलिस के घायल होने के मामलों को कम किया जा सके।

भारतीय मसाले अमेरिकी घरों में ‘भारतीयता का एक हिस्सा’ पहुंचा रहे: राजदूत वचात्रा

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने कहा है कि भारतीय मसाले अमेरिकी घरों में ‘भारतीयता का एक हिस्सा’ पहुंचा रहे हैं क्योंकि इनकी लोकप्रियता अब केवल स्वाद तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि सेहत, वेलनेस और रोजमर्रा की खान-पान की आदतों तक भी फैल गई है। क्वात्रा ने कहा कि अमेरिका में भारतीय मसालों की बढ़ती मौजूदगी एक ऐसे सांस्कृतिक जुड़ाव को दिखाती है जो उनके कमर्शियल महत्व से कहीं अधिक है। इंडिया हाउस में भारतीय मसालों के सम्मान में आयोजित एक खास कार्यक्रम में क्वात्रा ने कहा, ‘मुझे लगता है कि मसाले सिर्फ व्यापार से कहीं ज्यादा हैं। मेरे निजी नजरिए से ज्यादा जरूरी बात यह है कि इन मसालों के जरिए हम अमेरिकी घरों तक भारतीयता का एक बहुत अहम हिस्सा पहुंचाते हैं।’



इस कार्यक्रम में अमेरिकन स्पाइस ट्रेड एसोसिएशन के सदस्य, फूड इंडस्ट्री के प्रतिनिधि और मेहमान भारतीय राजदूत के आवास पर इकट्ठा हुए। क्वात्रा ने मसालों को भारतीय सभ्यता की एक ऐसी अटूट कड़ी बताया जो आज के भारतीय घरों को हजारों साल पुरानी पीढ़ियों से जोड़ती है। क्वात्रा ने कहा, ‘मैं हमेशा लोगों से कहता हूं और मेरा पक्का यकीन है कि अगर कोई एक चीज है जो हजारों साल पुरानी पीढ़ियों से भारतीय समाज

में नहीं बदली है, तो वह हैं मसाले। मैं वहीं मसाला इस्तेमाल करता हूं जिसकी आदत मेरी मां ने मुझे डाली थी, उन्होंने वहीं मसाला इस्तेमाल किया जिसकी आदत उनकी मां ने उन्हें डाली थी, और यह कहानी पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ती रहती है।’ क्वात्रा ने कहा कि यह परंपरा अब भारत के बाहर भी अपनी जगह बना रही है। सबसे रोमांचक बात यह है कि इस विस्तार का नेटवर्क अब पूरी दुनिया में फैल गया है। राजदूत ने हल्दी का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे भारतीय जीवन का एक अहम हिस्सा रही यह चीज अब आधुनिक अमेरिकी समाज सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। क्वात्रा ने 2010 से 2013 के बीच वॉशिंगटन में अपनी पिछली पोस्टिंग से कहता हूं और मेरा पक्का यकीन है कि अगर कोई एक चीज है जो हजारों साल पुरानी पीढ़ियों से भारतीय समाज

में दूर-दूर तक फैलें बल्कि अमेरिकी खानपान की आदतों का भी हिस्सा बन जाएं।’ राजदूत ने मसालों में बढ़ती दिलचस्पी को खाने-पीने के एक और मौजूदा ट्रेड, ऑर्गेनिक उत्पादों की बढ़ती लोकप्रियता से भी जोड़ा। उन्होंने तर्क दिया कि जिसे आज आधुनिक और सेहतमंद खान-पान कहा जाता है, उसकी जड़ें अक्सर पुराने खान-पान के तरीकों में होती हैं। क्वात्रा ने कहा, ‘मेरा मतलब है, हम कहते हैं कि ऑर्गेनिक फूड आजकल बहुत ट्रेड में है। असल में ऑर्गेनिक फूड तो पुराना खाना है और पुराना सेहतमंद खाना है। तो एक तरह से आधुनिक ट्रेड अपनी जड़ों की ओर लौटना है, कम से कम इस मामले में तो। खाने और मसालों के मामले में तो निश्चित रूप से ऐसा ही है।’ क्वात्रा ने कहा कि ग्राहकों के साथ लंबे समय तक चलने वाला रिश्ता बनाने के लिए सिर्फ मसालों की मार्केटिंग काफी नहीं है। उनके इतिहास और खाने-पीने व जीवनशैली के साथ उनके रिश्ते को समझना जरूरी है।

उन्होंने कहा, ‘यह मेरी परवरिश का हिस्सा है। और मुझे नहीं लगता कि आप मसालों की मार्केटिंग उस तरह से कर सकते हैं।’ भारतीय मसाले सदियों से दुनिया के अलग-अलग हिस्सों तक पहुंचे हैं। दुनिया के दूसरे देशों के साथ भारत के ऐतिहासिक व्यापारिक और सांस्कृतिक संबंधों में इन्होंने अहम भूमिका निभाई है।

लॉस एंजिल्स से सैन डिएगो तक... अमेरिका के इन 13 शहरों पर एक साथ हमला कर सकता है ईरान

लॉस एंजिल्स, एजेंसी। अमेरिका के कम से कम 13 शहरों पर ईरान हमला कर सकता है. राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को इसकी आशंका है, जिसके बाद इन शहरों की सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं. मंगलवार (6 अक्टूबर) को एक रैली में ट्रंप ने कहा कि ईरान लॉस एंजिल्स और सैन डिएगो पर हमला करना चाहता है. उन्हें कोशिश करने दीजिए. हम अपनी सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त कर रहे हैं. ट्रंप ने आगे कहा कि शहरों को सुरक्षित रखने के लिए हम कुछ ज्यादा खर्च कर रहे हैं. यह कुछ दिनों की बात है. ट्रंप का यह बयान ऐसे वक्त में सामने आया है, जब ईरान की इस्लामिक रिपब्लिशनरी गार्ड ने अमेरिका के शहरों पर हमले की चेतावनी दी है. इतना ही नहीं, ईरान की चेतावनी के बाद अमेरिका ने ब्रिटेन के फेंयरफोर्ड से अपने बी-2 बॉम्बर वापस बुला लिए हैं. यहां ईरान ने झोन हमले की चेतावनी दी थी.

हमले की जद में अमेरिका का ये 13 शहर : अमेरिका की संघीय सरकार ने उच्च जोखिम वाले शहरी क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए बजट बढ़ाने का फैसला किया है. जिन शहरों की सुरक्षा व्यवस्था पर ज्यादा खर्च करने का फैसला किया गया है, उनमें राजधानी वाशिंगटन डीसी, न्यूयॉर्क सिटी, ह्युस्टन, शिकागो, अटलांटा, बोस्टन, डेनवर, मियामी, न्यू ऑरलियन्स, फीनिक्स/मैरिक्ोपा काउंटी, सैन फ्रांसिस्को खाड़ी क्षेत्र, सिएटल और लॉस एंजिल्स शामिल हैं. अमेरिका ने 2010 की एक जीएसओ रिपोर्ट के आधार पर इन शहरों की सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ाने का फैसला किया है. इस रिपोर्ट में कहा गया था कि अमेरिका का ये 13 शहर आतंकियों की रडार पर है. ईरान ने दुनिया के बड़ोने पहले ब्रिटेन के फेंयरफोर्ड बेस पर हमले की चेतावनी दी थी. पिछले हफ्ते ईरान से जुड़े 5 लोगों को बेस के पास रेकी करते हुए देखा गया. डेली मेल के मुताबिक ईरान इस बेस पर झोन हमला करना चाहता था, जिससे अमेरिका का बी-2 बॉम्बर को बेस पर ही नष्ट किया जा सके. अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि ईरानी खतरे को देखते हुए यह फैसला लिया गया. यानी अमेरिका को लगता है कि ईरान इस वक्त कोई भी प्रॉक्सी हमला करा सकता है।

यूक्रेनी झोन हमले में रुसी तट के पास भारतीय क्रू मेंबर वाले तेल टैंकर में लगी आग

मॉस्को , एजेंसी। रूस के काला सागर तट के पास लाइबेरिया के झंडे वाले एक ऑयल टैंकर पर यूक्रेनी झोन हमले से आग लग गई। इस टैंकर पर सभी क्रू मेंबर भारतीय थे। रूसी परिवहन मंत्रालय ने बताया कि सभी 23 क्रू मेंबर को सुरक्षित बचा लिया गया है। मंत्रालय के अनुसार, टैंकर पर ‘नेवल झोन’ से हमला किया गया, जिसके बाद काला सागर में कच्चे तेल में आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि शुरू में दमकलकर्मी इसे बुझा नहीं पाए। रूस के परिवहन मंत्रालय ने कहा कि आग की तीव्रता कम होने पर दमकलकर्मी इसे काबू में करने की एक और कोशिश करेंगे। मंत्रालय ने बताया कि हमले के बाद क्रू के सभी 23 सदस्यों को बचा लिया गया। यह घटना काला सागर तट पर स्थित रुस के लोकप्रिय रिसॉर्ट शहर सोची के पास हुई, जिसकी आबादी लगभग 5



लाख है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में समुद्र में तेज नारंगी रंग की लपटें उठीं दिख रही हैं जबकि सोची के पास आसमान में काले धुएँ का गुबार उठता देखा जा सकता है। शहर के मेयर ने सोशल मीडिया पर कहा कि घटना के बाद तट

और समुद्र तटों (बीचेस) तक लोगों को पहुंच पर रोक लगाई जा रही है। टैंकर पर यह हमला रोमानियाई तट के पास एक और जहाज में आग लगने और उसके डूबने के एक दिन बाद हुआ। उस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और एक अन्य लापता

हो गया था। यूक्रेन ने कहा कि झोन हमला रूस ने किया था। उस घटना में एक भारतीय क्रू सदस्य भी घायल हुआ था। 2022 में रूस-यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के बाद से काला सागर के आसपास कमर्शियल शिपिंग पर हमले बढ़े हैं। जारी संघर्ष के बीच रूस और यूक्रेन ने ही इस क्षेत्र में जहाजों और समुद्री बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया है। हाल के दिनों में रूस ने रोमानिया (जो यूरोपीय संघ का सदस्य देश है) के तट के पास यूक्रेनी सामान ले जा रहे अनाज के जहाजों पर हमले किए हैं। वहीं, यूक्रेन का कहना है कि रूस के तेल इंफ्रास्ट्रक्चर पर उसके हमले, रूस को यूक्रेनी कस्बों और शहरों पर रात में किए जाने वाले हमलों के जवाब में सही है। दोनों पक्षों ने हाल के हफ्तों में अपने हमलों को और तेज करने का संकल्प लिया है।

यूक्रेन की नाटो सदस्यता पर अभी नहीं हो रहा कोई विचार: मार्को रुबियो

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि फिलहाल यूक्रेन की नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) सदस्यता पर कोई विचार नहीं हो रहा है क्योंकि अमेरिका रूस के साथ युद्ध को खत्म करने की कोशिशों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। रुबियो ने इस लड़ाई के आगे बढ़ने के तरीके पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन हालात के ‘ट्रेड’ पर नजर रख रहा है और ऐसा नहीं लग रहा कि लड़ाई खत्म होने की तरफ बढ़ रही है। रुबियो ने कहा, ‘जैसा कि आप जानते हैं, अभी यूक्रेन की नाटो सदस्यता पर कोई बात नहीं हो रही है, क्योंकि इसके लिए आम सहमति बनाने की प्रक्रिया से गुजरना जरूरी है। वे रेक्याविक में आइसलैंड की विदेश मंत्री थोरगेरदुर केट्रिनु गुनार्सडॉटर के साथ एक जॉइंट मीडिया ब्रीफिंग में बोल रहे थे। जब यूक्रेन के नाटो में शामिल होने पर उनकी राय पूछी गई, तो रुबियो ने कहा कि इसका कोई सीधा ‘हां’ या ‘ना’ में जवाब नहीं है। रुबियो ने कहा, ‘अभी हमारा पूरा ध्यान यूक्रेन के मामले में इस लड़ाई को खत्म करने पर है, अगर ऐसा मुमकिन हो तो। इतनी बड़ी संख्या में लोगों की जान जाना दुःखद है। हमने साफ कहा है कि अगर इस युद्ध को खत्म करने में हम कोई भूमिका निभा सकते हैं, तो हम एक सकारात्मक भूमिका निभाना चाहेंगे।’ रुबियो ने संकेत दिया कि वॉशिंगटन मौजूदा हालात को लेकर चिंतित है। उन्होंने कहा, ‘हम जाहिर तौर पर वहां के हालात के

ट्रेड पर नजर रख रहे हैं और देख रहे हैं कि अभी मामला उस दिशा में नहीं बढ़ रहा है। उन्होंने ये बातें एक ऐसी चर्चा के दौरान कहीं जिसमें यूक्रेन के अलावा आर्कटिक और ‘हाई नॉर्थ’ (सुदूर उत्तर) इलाकों में बढ़ती सुरक्षा चिंताओं पर भी बात हुई। रुबियो ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के बदलते माहौल ने इस इलाके पर वॉशिंगटन का ध्यान खींचा है। 2006 में आइसलैंड में लंबे समय से मौजूद अमेरिकी सेना को कहीं और भेजे जाने के बाद ऐसा हुआ था। उन्होंने कहा, ‘असलियत यह है कि पिछले 20 सालों में दुनिया बदल गई है। हमारा ध्यान भी बदल गया है। अब आर्कटिक पर बहुत ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है। रुबियो ने आइसलैंड को यूरोप और अमेरिका, दोनों की सुरक्षा के लिए रणनीतिक रूप से अहम बताया क्योंकि इसकी भौगोलिक स्थिति खास है। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन रेकजाविक के साथ और सहयोग पर बातचीत करने के लिए तैयार रहेगा। उन्होंने कहा, ‘मुझे लगता है कि अपनी भौगोलिक स्थिति की वजह से आइसलैंड और उसकी लोकेशन यूरोप और अमेरिका, दोनों की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाती है। सेक्रेटरी ऑफ स्टेट ने कहा कि ‘हाई नॉर्थ’ में सुरक्षा चिंताएं सिर्फ पारंपरिक सैन्य खतरों तक सीमित नहीं हैं। उन्होंने गुप्त गतिविधियों, समुद्र के नीचे बिछी केबलों और शिपिंग लेन को होने वाले खतरों और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े आर्थिक व व्यावसायिक चुनौतियों का जिक्र किया।

फोर्ट हुड केस: 13 लोगों की हत्या के दोषी निडाल हसन को 3 दिसंबर को मिलेगी सजा-ए-मौत, क्या है फायरिंग स्क्वाड



ने सजा को अमल में लाने की दिशा में जरूरी प्रक्रियाएं शुरू कर दी हैं। कार्यवाहक सेना संचिव एडम टेल के मुताबिक, सजा टेक्सास के फोर्ट हुड सैन्य अड्डे पर ही दी जाएगी, जहां हसन ने 2009 में इस जानलेवा हमले को अंजाम दिया था।

मेडिकल जांच कराने पहुंचे सैनिकों पर बरसाई थीं गोलियां : नवंबर 2009 में निडाल हसन फोर्ट हुड के एक मेडिकल भवन में पहुंचा था। उस समय वहां सैनिक अपनी स्वास्थ्य जांच कराने के

लिए मौजूद थे। हसन ने अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। हमले के दौरान उसने ‘अल्लाहु अकबर’ कहा, जिसका अर्थ है ‘इश्वर महान है’। उसने लेजर साइट वाली पिस्तौल से गोलियां चलाई। इस हमले में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। इस घटना ने पूरे अमेरिका को झकझोर कर नष्ट दिया था। हसन अमेरिकी सेना में मनोचिकित्सक के पद पर तैनात था। मुकदमे के दौरान उसने अपने बचाव में बहुत कम दलीलें दीं। उसने जूरी से कहा था कि सबूत यह साबित कर देंगे कि गोली चलाने वाला वही था। उसने खुद को ऐसा सैनिक बताया था, जिसने अपना पक्ष बदल लिया है। हसन ने यह भी कहा था कि उसका मकसद सैनिकों को अफगानिस्तान जाने और वहां अपने साथी मुसलमानों को मारने से रोकना था। उसके इस

बयान ने मामले को और भी संवेदनशील बना दिया था। राष्ट्रपति ट्रंप की मंजूरी मिलने के बाद भी हसन की सजा पर अमल करना इतना आसान नहीं है। अमेरिकी सैन्य कानून के तहत जरूरी प्रक्रियाएं पूरी करनी होंगी। इसके अलावा, हसन के पास नागरिक संघीय अख्तियार में हैबियस कॉर्पस याचिका दायर करने का विकल्प भी है। इस कानूनी प्रक्रिया के जरिए वह अपनी हिरासत या सजा को चुनौती दे सकता है। मई में ‘आमी लॉयर’ पत्रिका में प्रकाशित एक लेख के मुताबिक, अगर हसन इस रास्ते का इस्तेमाल करता है, तो फांसी की प्रक्रिया रुक सकती है और मामला कई साल तक खिंच सकता है। ऐसे में 3 दिसंबर की तारीख तय होने के बावजूद यह देखना बाकी है कि सजा निर्धारित समय पर दी जा सकेगी या नहीं।

कैसे बची कैप्टन रिमत की जान?: ‘लगातार बहर रहा था खून, हॉट भी पड़ गए थे नीले’, अब डॉक्टर ने खुद बताई हकीकत

तेल अवीव , एजेंसी। तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान में हुई चाकूबाजी से हर कोई हेरान है। 170 से ज्यादा यात्रियों की जान बचाने वाले पायलट रिमत मच्छर इसके असली हीरो रहे। दरअसल, उनके सह-पायलट ने अल हमाम ने अचानक उनपर चाकू से हमला कर दिया था। इसके बाद विमान काफी नीचे आ गया था। कुछ ही सेकंड में विमान क्रैश भी हो सकता था। लेकिन रिमत ने हार नहीं मानी। खून से लथपथ होने के बावजूद रिमत ने मुकाबला किया और मौका मिलते ही कॉकपिट का दरवाजा खोल दिया। इस दौरान कार यात्रियों ने तुरंत दौड़ लगाई। कुछ ने हमलावर को पकड़ा। एक ने विमान संभाला। उन्हीं चार में से एक दांतों के डबकर भी थे। उन्होंने तुरंत रिमत को संभाला और उनकी जान बचाने पूरी ताकत झोक दी। एक इंटरव्यू में जॉर्जियाई दंत चिकित्सक डॉ. शुता मुसाएव ने इस बारे में बात की। उन्होंने बताया कि करीब 45 मिनट तक वो लगातार घावों पर दबाव बनाए रखे रही। बर्फ की मदद से खून रोकने की कोशिश की।

कपड़ों और बर्फ से कैसे रोका गया खून : मुसाएव ने बताया कि कैप्टन के सिर और बाएं हाथ से बहुत ज्यादा खून निकल रहा था। उन्होंने पहले टी-शर्ट को घाव पर रखकर दबाव बनाया, लेकिन खून नहीं रुका। इसके बाद उन्होंने विमान के कर्मचारियों से बर्फ मांगी। कैप्टन के घाव बहुत गहरे थे। इसलिए कई आइस पैकेट इस्तेमाल करने पड़े। मुसाएव ने करीब 45 मिनट तक घाव पर दबाव बनाए



रखा और बर्फ लगाते रहे। उनका कहना था कि जब भी वह खून देखने के लिए टी-शर्ट हटाते थे, खून फिर तेज बहने लगता था। मुसाएव लगातार कैप्टन की हालत देखते रहे। वह उनसे बात करते रहे ताकि वह बेहोश न हों। उन्होंने कैप्टन से उनके बच्चों के बारे में पूछा और कहा कि वह जल्द अपने परिवार के पास लौटेंगे। कैप्टन ने अपना नाम और उम्र बताई। उन्होंने बताया कि वह भारत से हैं और दुबई में रहते हैं। वह दद में थे और मदद की गुहार लगा रहे थे। एक समय उनकी नब्ज बहुत कम हो गई। तब मुसाएव ने उनके पर ऊपर किए, जिसके बाद नब्ज फिर लौट आई। जब कैप्टन के हॉट नीले पड़ने लगे तो उन्होंने विमान कर्मचारियों से जल्द लैंडिंग कराने को कहा। कैप्टन दर्द की दवा मांग रहे थे। मुसाएव ने उन्हें थोड़ा-थोड़ा पानी दिया, लेकिन भारी खून बहने के कारण दवा देने से मना कर दिया। उन्हें डर था कि कैप्टन को हिलाने या दवा देने से दोबारा ज्यादा खून निकल सकता है। वह लगातार उनकी नब्ज, बातचीत और होंठों का रंग देखते रहे। विमान के सऊदी अरब में उतरने के बाद उन्होंने कैप्टन को जमीन पर मौजूद डॉक्टरों के हवाले कर दिया।